Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 19 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 94 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

अच्छी आदतें अच्छे चरित्र की बुनियाद हैं।

-अरस्तू

Tamannaah Bhatia
To Star As Female...

SARAFA

सोना	:	9,125
चांदी	:	110.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

श्रीमद्भगवद्गीता व नाट्यशास्त्र यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित

NEW DELHI : शुक्रवार को यूनेस्को ने अपने विश्व स्मृति रजिस्टर में श्रीमद्भगवद्गीता और भरतमुनि के नाट्यशास्त्र को शामिल कर लिया है। इसके साथ अब यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में देश के 14 अभिलेख इसमें शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि यूनेस्को ने शुक्रवार कोअपने विश्व स्मृति रजिस्टर में 74 नए दस्तावेजी विरासत संग्रह जोड़े, जिससे कुल अंकित संग्रहों की संख्या 570 हो गई। 72 देशों और चार अंतरराष्ट्रीय संगठनों की प्रविष्टियों में वैज्ञानिक क्रांति, इतिहास में महिलाओं का योगदान और बहुपक्षवाद के प्रमुख मील के पत्थर जैसे विषय शामिल हैं। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने खुशी जाहिर की है।

गाजा में इजरायल के हवाई हमले में 17 लोगों की मौत

NEW DELHI : शुक्रवार को तड़के गाजा में इजरायली हवाई हमले में बच्चों सहित कम से कम 17 लोग मारे गए। चिकित्सा कर्मियों ने यह जानकारी दी। इंडोनेशियाई अस्पताल के चिकित्सा कर्मियों ने बताया कि मृतकों में शामिल 10 लोग जबालिया शरणार्थी शिविर से हैं। उनके शव अस्पताल लाये गए थे। वहीं, नासिर अस्पताल के कर्मियों ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में सात लोग मारे गए, जिनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल है। ये सातों शव इस अस्पताल में लाये गए थे। इजरायली हमले तेज होने के बाद गाजा में एक दिन पहले दो दर्जन से अधिक लोग मारे गए थे।

अमेरिका में पांच लाख का इनामी खालिस्तान समर्थक आतंकी अरेस्ट

NEW DELHI : शुक्रवार को अमेरिका में खालिस्तान समर्थक संदिग्ध आतंकी व गैंगस्टर हैप्पी पासिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर भारत के चंडीगढ़ के साथ ही पंजाब में कई हमले करने का आरोप है। उसे इमिग्रेशन एंड कस्टम इंफोर्समेंट ने कस्टडी में ले लिया है। उसकी गिरफ्तारी पर भारतीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पांच लाख रुपये का इनाम रखा था। जांच एजेंसियों को पता चला है कि पासिया पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम देता था। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक वह पाकिस्तान में छिपे खालिस्तानी आतंकी हरिवंदर सिंह रिंदा के लिए भी काम करता था।

बदला मौसम का मूड, तेज हवा व बारिश के साथ जमकर पड़े ओले

चिलचिलाती गर्मी से मिली लोगों को राहत, अधिकतम तापमान में आई गिरावट

- आज से 21 अप्रैल तक के लिए मौसम विभाग ने जारी किया येलो अलर्ट
- वज्रपात के लिए भी जारी की गई है चेतावनी

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राजधानी रांची में दोपहर दो बजे के आसपास अचानक मौसम का मूड बदला और बारिश शुरू हो गई। इसके पहले तेज धूप और गर्मी थी। तेज हवा और बारिश के साथ 20 मिनट तक लगातार ओले पड़ते रहे। ओले पड़ने की पटर-पटर की आवाज होती रही। सड़कों और मकानों की छतों पर चारों तरफ ओल दिखने लगे। 2:35 बजे फिर मौसम खुल गया और धूप हो गई। मौसम में बदलाव के कारण दिन की तेज गर्मी से राहत मिली। अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, झारखंड के लोगों को अप्रैल महीने में चिलचिलाती गर्मी से बड़ी राहत मिली है। राजधानी रांची सहित लगभग सभी जिलों में काल बैसाखी की वजह से हल्की बारिश, तेज गर्जन, वज्रपात और 30 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं, जिससे तापमान नियंत्रण में है।

कई जिलों में तापमान सामान्य

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में औसत तापमान लगभग 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। राज्य के अत्यधिक गर्म जिलों जैसे पलामू, गढ़वा, पूर्वी सिंहभूम, धनबाद, सिमडेगा और चतरा में भी इस बार तापमान पिछले वर्षों की तुलना में कम दर्ज किया गया है। हालांकि, कुछ दिनों के लिए इन जिलों में गर्म हवाओं और लू जैसे हालात भी बने, लेकिन मौसम में बदलाव के चलते लोगों को लंबे समय तक झुलसाने वाली गर्मी नहीं झेलनी पड़ी।

वज्रपात के साथ चलेगी तेज हवा

मौसम विभाग ने आगामी 21 अप्रैल तक येलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान राज्य के कई हिस्सों में गर्जन, वज्रपात और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और खुले में पेड़ों के नीचे या बिजली के खंभों के पास खड़े न होने की सलाह दी है।

सब्जियों को नुकसान

शुक्रवार को राज्य भर के प्रमुख शहरों में तापमान सामान्य रहा। रांची में अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री, जमशेदपुर में 37 .7, डालटनगंज में 39 .4, बोकारो में 33 .2 और चाईबासा में 38 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। लोगों के लिए राहत के साथ किसानों के लिए थोड़ी परेशानी लेकर आया है। ओले के कारण सब्जियों को नुकसान हो रहा है। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक इसी तरह के मौसम की संभावना है, जिससे झारखंड के लोग गर्मी के कहर से कुछ और दिन तक बचे रहेंगे।

आत्मसमर्पण करने वाले 17 नक्सलियों पर 42 लाख रुपये का था इनाम

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षा बलों के सामने 33 नक्सलियों ने किया सरेंडर

- सरेंडर करने वालों में एक दंपती सहित नौ महिलाएं भी शामिल
- सभी नक्सलियों को प्रदान की गई 50 हजार रुपये की सहायता राशि
- पिछले साल सुकमा सहित बस्तर क्षेत्र में 792 नक्सलियों ने किया था आत्मसमर्पण

SUKMA@PTI : शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में एक नक्सली दंपती समेत 33 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 17 नक्सलियों पर कुल 49 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस ने बताया कि नौ महिलाओं समेत 22 नक्सलियों ने पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया, जबकि बाद में दो महिलाओं समेत 11 अन्य नक्सलियों ने पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में आठ-आठ लाख रुपये के इनामी नक्सली मुचाकी जोगा (33) और उसकी पत्नी मुचाकी जोगी (28) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने बताया कि मुचाकी जोगा नक्सलियों की पीएलजीए कंपनी नंबर एक में डिप्टी कमांडर है तथा जोगी सदस्य है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 33 नक्सलियों में पांच-पांच लाख रुपये के इनामी किकिड़ देवे (30) और मनोज उर्फ दूधी बुधरा (28) तथा दो-दो लाख रुपए के इनामी माड़वी भीमा (30), माड़वी सोमड़ी (48), संगीता (24), माड़वी कोसी (24), वंजाम सन्नी (24), माड़वी मंगली (35), ताती बंडी (35), माड़वी लक्ष्मण (65), दूधी दुला (40), कलमू हिड़मा (40) तथा रव्वा बीड़े (35) शामिल हैं। वहीं नक्सली पुनेम जोगा और नुप्पो पोज्जे पर 50-50 हजार रुपये का इनाम था।

22 नक्सली माड़ डिविजन में सक्रिय

अधिकारियों ने बताया कि 22 नक्सली माड़ डिविजन और नुआपाड़ा डिविजन में सक्रिय थे। 11 नक्सली फुलबगड़ी पुलिस थाना के अंतर्गत पंचायत बडेसट्टी में सक्रिय थे। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने 'खोखली' और 'अमानवीय' माओवादी विचारधारा और स्थानीय आदिवासियों पर अत्याचारों से निराश होकर आत्मसमर्पण करने का फैसला किया है।

मुठभेड़ के बाद छह लाख रुपये व विस्फोटक बरामद

NARAYANPUR : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने छह लाख रुपये नकद, 11 लैपटॉप, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के कोहकामेटा थाना के अंतर्गत कसोड़, कुमुरादी और आसपास के क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद पदमकोट शिविर से 14 अप्रैल को सुरक्षाकर्मियों के एक संयुक्त दल को रवाना किया गया था। इस दल में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) नारायणपुर और भारत तिब्बत सीमा पुलिस के 41वीं वाहिनी के कर्मी शामिल थे। उन्होंने बताया कि गश्त के दौरान 15 अप्रैल को जब सुरक्षाबल के जवान कसोड़-कुमुरादी गांव के बीच जंगल में थे, तभी हथियारबंद नक्सलियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों ओर लगभग तीन घंटे तक गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षाबलों की इस कार्रवाई से नक्सलियों को भारी आर्थिक तथा रणनीतिक क्षति होने के साथ-साथ उन्हें यह साफ संदेश गया है कि अब वे अबूझमाड़ के किसी क्षेत्र में सुरक्षित नहीं है तथा उनके आश्रय स्थल सिमटते जा रहे है। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा, अबूझमाड़ के दुर्गम जंगलों और विकट भौगोलिक परिस्थितियों में रहने वाले मूल निवासियों को नक्सलवादी विचारधारा से बचाना और उन्हें माओवादी सिद्धांतों के प्रभाव से बाहर निकालना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है, जिससे क्षेत्र में विकास एवं शांति कायम हो सके।

टीम के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्पेन व स्वीडन के लिए रवाना

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल स्पेन और स्वीडन के दौरे पर रवाना हो गया। प्रतिनिधिमंडल रांची से दिल्ली पहुंचा है। वहां से 19 अप्रैल यानी शनिवार को प्रतिनिधिमंडल स्पेन के लिए रवाना होगा। यह यात्रा 27 अप्रैल तक होगी। इस यात्रा का उद्देश्य झारखंड और स्पेन के बीच औद्योगिक, ऊर्जा (पारंपरिक व नवीकरणीय), उन्नत विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री के साथ इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, उद्योग सचिव अरवा राजकमल, निदेशक उद्योग सुशांत गौरव, मुख्यमंत्री के निजी सलाहकार अजय कुमार सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हैं। इस यात्रा के दौरान झारखंड सरकार की प्राथमिकता राज्य में उच्च गुणवत्ता वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करना है।

भारत-स्पेन के आर्थिक संबंध मजबूत

भारत और स्पेन के बीच आर्थिक संबंध पिछले एक दशक में काफी मजबूत हुए हैं। वर्तमान में भारत में 280 से अधिक स्पेनिश कंपनियां कार्यरत हैं और 2024 में द्विपक्षीय व्यापार 8.78 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो सालाना 6.3% की वृद्धि को दर्शाता है। खासकर अक्षय ऊर्जा, धातु उद्योग, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच गहरा तालमेल है।

संसाधन संपन्न राज्य है झारखंड

झारखंड, जो देश के सबसे संसाधन-संपन्न राज्यों में से एक है, औद्योगिक उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभाता है। यहां टाटा स्टील, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल), एनटीपीसी, वेदांता, टाटा पावर, अडानी पावर और लिंडे ग्रुप जैसी बड़ी कंपनियां पहले से ही निवेश कर चुकी हैं।

राजधानी में आभूषण दुकानदार को मारी गोली

रातू थाना क्षेत्र के चटकपुर में दिया गया वारदात को अंजाम, फौरन फरार हो गए आरोपी

- दुकानदार के कंधे में लगी है गोली, अस्पताल में चल रहा इलाज
- घटनास्थल पर पहुंचे थाना प्रभारी, शुरू की मामले की जांच

'पूरे मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। अपराधी जल्द पकड़े जाएंगे।'

-सुमित अग्रवाल
ग्रामीण एसपी

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राजधानी के रातू थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक आभूषण दुकानदार को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी। गोली लगने के बाद घायल दुकानदार को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रातू थाना क्षेत्र के चटकपुर में आकाश ज्वेलर्स के मालिक बसंत कुमार को दुकान में घुसकर अपराधियों ने गोली मारी है। रातू थाना प्रभारी रामनारायण ने बताया कि घटना को लूट के उद्देश से अंजाम दिया गया है या किसी अन्य वजह से इसकी जांच की जा रही है। बदमाशों ने घायल दुकानदार को कंधे में गोली मारी है।

हथियार लेकर दुकान में घुसे थे आरोपी : घायल दुकानदार बसंत कुमार ने पुलिस को बताया है कि वह अपनी दुकान में बैठे थे। इसी दौरान हथियार लेकर बदमाश दुकान के अंदर आ गए। दुकान में आते ही उन्हें गन प्वाइंट पर लेकर दुकान की तिजोरी को खोलने को कहा। उसने हिम्मत दिखाते हुए विरोध किया। इतने में आसपास के लोग जब इकट्ठा होने लगे तब एक बदमाश ने बसंत कुमार पर फायर कर दिया। फायरिंग में एक गोली बसंत कुमार के कंधे में जा लगी। इसके बाद दोनों मौके से फरार हो गए।

डॉ. शशि बाला सिंह बनीं रिम्स की प्रभारी निदेशक

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। राज्य सरकार ने रिम्स निदेशक डॉ. राज कुमार को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है। वहीं रिम्स की डीन एकेडमिक डॉ. शशि बाला सिंह को संस्थान का अंतरिम प्रभारी निदेशक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति की अधिसूचना भी राज्य सरकार द्वारा जारी कर दी गई है। निदेशक पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद डॉ. शशि बाला सिंह ने आभार संदेश जारी करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी और अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह के प्रति आभार प्रकट किया।

तत्काल प्रभाव से हटाए गए डायरेक्टर डॉ. राजकुमार

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया अनुमोदन

बता दें कि गुरुवार को देर रात जारी अधिसूचना में बताया गया है कि डॉ. राज कुमार का कार्यकाल असंतोषजनक पाया गया और उन्होंने मंत्रिपरिषद, शासी परिषद व विभाग के निर्देशों का पालन नहीं किया। इसके साथ ही, रिम्स अधिनियम, 2002 के उद्देश्यों को पूरा करने में भी उनकी भूमिका संतोषजनक नहीं रही। राज्य सरकार ने रिम्स नियमावली, 2002 के नियम 9(6) के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें तीन माह का वेतन एवं भत्ते प्रदान कर तत्काल प्रभाव से हटाने का निर्णय लिया, जिस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का अनुमोदन प्राप्त है। डॉ. राज कुमार को 31 जनवरी 2024 को अधिसूचना संख्या 264/रिम्स के तहत तीन वर्षों के लिए निदेशक नियुक्त किया गया था।

चिंताजनक स्नोस्लाइड से मौत के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर है भारत

तापमान वृद्धि के कारण लगातार बढ़ रहीं हिमस्खलन की घटनाएं

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : हिमस्खलन का मतलब किसी ढलान या पहाड़ से बर्फ का नीचे की ओर तेजी से गिरना होता है। यह एक प्राकृतिक आपदा है। हिमस्खलन पहाड़ी इलाकों में जान-माल के लिए सबसे खतरनाक प्राकृतिक खतरों में से एक माना जाता है। हिमस्खलन आमतौर पर ऊंचे क्षेत्रों में उपस्थित हिमपुंज में अचानक अस्थिरता पैदा होने से शुरू होता है। हिमस्खलन में फंसे लोग दम घुटने, चोट लगने या हाइपोथर्मिया से मर सकते हैं। हाइपोथर्मिया के दौरान शरीर का तापमान इतना कम हो जाता है कि व्यक्ति उसे बर्दाश्त नहीं कर पाता है और उसकी मौत हो जाती है। हिमस्खलन के दौरान बर्फ कंक्रीट की तरह ठोस हो जाती है, जिसे काटना या खोदाई करना बहुत मुश्किल होता है। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी मिली है कि हिमस्खलन से होने वाली मौतों के मामले में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। अफगानिस्तान इस सूची में सबसे ऊपर है। कोलोराडो के पहाड़ी क्षेत्रों में भी हर साल हजारों हिमस्खलन होते हैं, जो स्कीयर, स्नोबोर्डर्स, हाइकर्स और स्नोमोबिलर्स के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं।

पहाड़ी इलाकों में जान-माल के लिए गंभीर प्राकृतिक खतरा माना जाता है हिमस्खलन

- हिमालयी क्षेत्रों में मैदानी इलाकों की तुलना में अधिक तेज होता है टेंपरेचर में इजाफा
- 4000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में प्रति दशक 0.5 डिग्री होती है वृद्धि
- ऊंचे क्षेत्रों में उपस्थित हिमपुंज में अचानक अस्थिरता पैदा होने से शुरू होता है स्नोस्लाइड
- हिमस्खलन में फंसे लोगों की दम घुटने, हाइपोथर्मिया या चोट लगने से हो सकती है डेथ

प्रभावित होती है स्थानीय लोगों की आजीविका

स्नोस्लाइड के दौरान कंक्रीट की तरह ठोस हो जाती है बर्फ, जिसे काटना या खोदना बहुत मुश्किल

बढ़ते तापमान की वजह से हिमालय में अधिक हिमस्खलन हो रहे हैं, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है। स्थानीय लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है। हिमालय में 1972 से 2022 के बीच हर साल औसतन 62 लोगों की जान गई, जिससे कुल 3,100 से अधिक मौतें दर्ज की गईं। इनमें सबसे अधिक 1057 मौतें अफगानिस्तान में हुईं। भारत 952 मौतों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। नेपाल, भूटान और पाकिस्तान में भी हिमस्खलन के कारण कई जानें गईं।

उत्तराखंड के कई जिले अधिक संवेदनशील

उत्तराखंड में हिमस्खलन की दृष्टि से सबसे संवेदनशील क्षेत्र उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ जिले हैं। खासकर 3000 मीटर से ऊपर के क्षेत्र हिमस्खलन के लिहाज से अत्यधिक संवेदनशील हैं। माणा-बदरीनाथ क्षेत्र समुद्र तल से 3100-3300 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यह हिमस्खलन की दृष्टि से अधिक संवेदनशील है। 28 फरवरी 2025 को यहां एक बड़ा हिमस्खलन हुआ, जिसमें 55 मजदूर इसकी चपेट में आ गए। राहत कार्यों के दौरान 46 लोगों को बचा लिया गया, लेकिन 8 लोगों की जान चली गई।

शेयर मार्केट में निवेशकों की संपत्ति चार दिनों में 25.77 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

MUMBAI : पिछले चार कारोबारी सत्रों में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में छह प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। अमेरिका के शुल्क पर अस्थायी रोक, विदेशी निवेशकों की घरेलू बाजार में वापसी और दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी के कारण बाजार बढ़त में रहा है। इसके अलावा, बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति के लगभग छह वर्ष के निचले स्तर पर पहुंचने से भी नीतिगत दर में और कटौती की उम्मीद बढ़ी है। पिछले चार कारोबारी दिनों में बीएसई सूचकांक 4,706.05 अंक यानी 6.37 प्रतिशत बढ़ा जबकि एनएसई निफ्टी में 1,452.5 अंक यानी 6.48 प्रतिशत की तेजी रही।

रोहित वेमुला अधिनियम लागू करने को राहुल ने सिद्धरमैया को लिखा लेटर

AGENCY NEW DELHI : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखकर कहा है कि प्रदेश में रोहित वेमुला अधिनियम लागू किया जाए ताकि वंचित वर्गों के किसी छात्र को जातिवाद का वो दंश नहीं झेलना पड़े, जिसे बाबा साहब भीमराव आंबेडकर, रोहित वेमुला और करोड़ों लोगों ने झेला है।

कांग्रेस ने वर्ष 2023 के अपने रायपुर महाधिवेशन में वादा किया था कि सत्ता में आने पर वह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक वर्गों के छात्रों का सम्मान एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रोहित वेमुला अधिनियम नामक एक विशेष कानून पारित करेगी। हैदराबाद विश्विद्यालय के छात्र रहे रोहित वेमुला ने जनवरी, 2016 में कथित जातिगत भेदभाव के कारण आत्महत्या कर ली थी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सिद्धरमैया को लिखा पत्र शुक्रवार को 'एक्स' पर साझा किया। पत्र 16 अप्रैल की तारीख है। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। उन्होंने कहा, हाल ही में संसद में मेरी मुलाकात दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदाय के छात्रों और शिक्षकों से हुई थी।

BRIEF NEWS

महिला क्रिकेट में प. सिंहभूम व रांची की भिड़ंत आज

CHAIBASA : झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के तत्वावधान में पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अंतर जिला महिला सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में कल गत वर्ष की उपविजेता टीम रांची का मुकाबला 19 अप्रैल को मेजबान पश्चिमी सिंहभूम से होगा। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इस प्रतियोगिता के सुपर डिवीजन मुकाबले में पश्चिमी सिंहभूम ने बोकारो एवं जमशेदपुर को पराजित कर फाईनल में जगह बनाई है। वहीं रांची के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सुपर डिवीजन के दूसरे मुकाबले में रांची ने गत वर्ष की चैंपियन टीम सिमडेगा एवं धनबाद को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया है। प्रतियोगिता में विजेता टीम को ट्रॉफी के साथ-साथ 80,000 रुपये, जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी के साथ 60,000 रुपये का चेक प्रदान किया जाएगा।

केंद्रीय पंचायती राज मंत्री ने बासुकीनाथ में की पूजा

DUMKA : एनडीए गठबंधन के महत्वपूर्ण घटक दलों में से एक जदयू नेता केंद्रीय पंचायती राज और मत्स्य मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह शुक्रवार को धार्मिक नगरी बासुकीनाथ पहुंचे। जहां उन्होंने अपने सहयोगियों संग पूरे श्रद्धा और निष्ठा के साथ षोड्षोपचार विधि से बाबा बासुकीनाथ का पूजा अर्चना किया। मुंगेर सांसद सह केंद्रीय मंत्री ने भोलेनाथ पर जल चढ़ाने के बाद माता पार्वती, मां काली और बगलामुखी की पूजा अर्चना व आरती में भी शामिल हुए।

स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ भड़के राज्य के होमगार्ड

DHANBAD : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के खिलाफ झारखंड के होमगार्ड जवान भड़के हुए हैं। मामला सरकारी अस्पतालों से होमगार्ड जवानों को हटाकर निजी सुरक्षा एजेंसियों के गार्ड को नियुक्त करने का है। इस मामले को लेकर झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन ने विरोध दर्ज कराया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि मुखर्जी और प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी ने कहा कि झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री ने होमगार्ड जवानों के साथ अन्याय किया है। जब प्रशिक्षित होमगार्ड के जवान रिम्स में प्रतिनियुक्ति हैं, तो होमगार्ड जवानों की संख्या में कटौती कर निजी सुरक्षाकर्मियों को प्रतिनियुक्त करने की क्या आवश्यकता है। अभी इसकी शुरूआत रिम्स से हुई है। इसके बाद राज्य भर के सरकारी अस्पतालों में तैनात होमगार्ड जवानों को हटाया जाएगा। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि स्वास्थ्य मंत्री होमगार्ड जवानों की संख्या बल में कटौती संबंधी आदेश वापस नहीं लेते हैं, तो आने वाले दिनों में एसोसिएशन आंदोलन को बाध्य होगा। तिवारी ने बताया कि वर्ष 2021 में झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन और झारखंड सरकार के बीच यह सहमति बनी थी कि जितने भी सरकारी विभाग, संस्थान अथवा प्रतिष्ठान हैं, वहां सुरक्षा का कार्य होमगार्ड जवानों से लिया जाएगा। इस संबंध में झारखंड सरकार ने अधिसूचना भी जारी की थी। ऐसे में जो आदेश निर्गत किया गया है, वह पूरी तरह से गलत है।

पलामू के छतरपुर में नाबालिग की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

जुए में जीते पैसे को लेकर विवाद होने की सामने आ रही बात, पुलिस कर रही जांच

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में जुए में जीते पैसों को लेकर विवाद होने पर एक नाबालिग की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गयी। घटना रुद गांव की है। तीन नाबालिगों ने अपने ही दोस्त की हत्या कर दी।

मृतक की पहचान 16 वर्षीय कृष्णा भुइयां उर्फ कईला के रूप में हुई है। घटना गुरुवार की रात की है। शुक्रवार को एमआरएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम किया गया।

जानकारी के अनुसार कृष्णा अपने दोस्तों के साथ नशा करने के बाद जुआ खेल रहा था। जुए में उसने तीन हजार रुपये जीत लिए, जिसको लेकर विवाद हो गया। उस समय कृष्णा के परिवार के सदस्य गांव में एक शादी समारोह में गए हुए थे और घर में ताला लगा था।

घटनास्थल पर शव के पास जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

कृष्णा अपने एक दोस्त के घर सोने चला गया। इसी दौरान उसके दोस्तों ने कुल्हाड़ी से उसके सिर और सीने पर वार कर उसकी हत्या कर दी। आरोपियों ने शव को घसीटकर कृष्णा के घर के बाहर फेंक दिया।

आज सुबह जब परिवार के सदस्य शादी समारोह से लौटे, तो उन्होंने कृष्णा का खून से लथपथ शव घर के बाहर देखा। पुलिस को सूचना दी गई।

सब इंस्पेक्टर राहुल कुमार और सुशील कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर भेज दिया गया।

मृतक के पिता कुलदीप भुइयां ने बताया कि कृष्णा उनका सबसे छोटा बेटा था और उसे नशे और जुए की लत थी। पुलिस ने खून के निशानों के आधार पर जांच की और हत्या में शामिल तीन नाबालिग दोस्तों को हिरासत में ले लिया है। थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद के अनुसार आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

सारंडा जंगल में आईईडी ब्लास्ट, बाल-बाल बचे सुरक्षाकर्मी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा जगल में शुक्रवार को आईईडी ब्लास्ट हो गया, जिसमें सुरक्षाकर्मी बाल-बाल बच गए। बताया जा रहा है कि जराइकेला थाना क्षेत्र में समठा और रेड़ा के बीच सर्च अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान आईईडी ब्लास्ट हुआ। इस विस्फोट में सीआरपीएफ के जवान बाल,बाल बच गए। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, सामठा में पदस्थापित जवान दिगंबर डे अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। अचानक मधुमक्खियों ने उन पर हमला कर दिया। मधुमक्खी के हमले से घायल जवान को अन्य जवान इलाज के लिए बिसरा ले जा रहे थे। इसी दौरान सामठा और रेड़ा के बीच भेंगरा बस्ती से करीब एक किलोमीटर दूर रास्ते में आईईडी विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में सभी जवान बाल-बाल बच गए। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने सर्च अभियान चलाया और घटनास्थल के पास से एक पाइप बरामद किया है। जानकारी मिली कि इसी पाइप के जरिए विस्फोट कराया गया था। मधुमक्खी के हमले से घायल जवान का इलाज बिसरा में चल रहा है।

पलामू में सहायक शिक्षक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

PALAMU : पलामू प्रमंडल के गढवा जिले के भंडरिया प्रखंड के करचाली गांव निवासी सह नव प्राथमिक विद्यालय चिरैयाटांड़ के सहायक शिक्षक हसनैन अंसारी को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अभिजीत गौतम मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि बीते दिसंबर महीने में करचाली पंचायत के मुखिया मोनिका खलखो ने भंडरिया थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत की थी कि विभागीय आदेश के आलोक में वे ग्रामीणों के साथ पंचायत भवन में विशेष ग्रामसभा कर रही थी। इसी दौरान वह सहायक शिक्षक पंचायत भवन पहुंचकर मुखिया पर नियम के विरोध में काम करने का दबाव बनाने लगा। वहीं इनकार करने पर मुखिया के साथ गाली गलौज, मारपीट के साथ छेड़छाड़ करते हुए ग्राम सभा पंजी फाड़ कर फेंक दिया। बाद में पंचायत भवन में उपस्थित लोगों ने मुखिया को बचाया, जिसके बाद पुलिस ने छेड़छाड़ के अलावे सरकारी दस्तावेज फाड़कर फेकने से संबंधित थाने के मामला दर्ज किया, जिसके बाद आरोपित की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा था, इसी बीच पुलिस ने उसे गिरफ्तार जेल भेज दिया है।

गिरफ्त में सहायक शिक्षक

प. बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को लेकर शहर में भी दिख रहा आक्रोश

गोविंदपुर में फूंका गया बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का पुतला

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर हिंदू युवा एकता वाहिनी की ओर से शुक्रवार को गोविंदपुर के चांदनी चौक पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला फूंका गया। इस दौरान मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के उपर हो रहे अत्याचार का विरोध में ममता बनर्जी हाय-हाय... के नारे भी लगे। इससे पहले गोविंदपुर स्टेट बैंक से चांदनी चौक तक सीएम की शव यात्रा निकाली गई। इस दौरान कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वे किसी भी हाल में बांग्लादेशियों को गोविंदपुर में घुसने नहीं देंगे। पुतला दहन में हिंदू युवा एकता वाहिनी के अध्यक्ष जुगनू वर्मा, महामंत्री पंकज सिंह, संरक्षक विकास सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, आजसू के वरीय उपाध्यक्ष संजय सिंह, पंचायत समिति सदस्य अंजय सिंह (भोला), रूपेंद्र सिंह, अरविंद सिंह चौहान, जगदीश मिश्रा, प्रिंस सिंह, अजीत सिंह, अरविंद पांडे, शंभू शरण, अमन पाठक, विजय शर्मा, रूपेश सिंह, सोनू लाल आदि भी उपस्थित थे।

गोविंदपुर में शवयात्रा निकालने के दौरान नारेबाजी करते लोग ● फोटोन न्यूज

आज विहिप कार्यकर्ता करेंगे प्रदर्शन, राष्ट्रपति के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

JAMSHEDPUR : पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंदुओं की हुई नृशंस हत्या, उपद्रव, आगजनी, हिंसा, लूटपाट और बड़े पैमाने पर पलायन की घटनाओं को लेकर पूरे भारत के हिंदू समाज में आक्रोश है। इन घटनाओं को रोकने के लिए बंगाल मे राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग को लेकर शहर के हिंदू संगठन शनिवार को राष्ट्रपति के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपेंगे। विश्व हिंदू परिषद-बजरंगदल विश्व हिंदू परिषद जमशेदपुर महानगर और सभी समवैचारिक संगठन एकजुट होकर 19 अप्रैल को सुबह 11 बजे उपायुक्त कार्यलय के समक्ष बंगाल मे राष्ट्रपति शासन की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

झारखंड के सभी अस्पतालों में फायर और विद्युत सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य, स्वास्थ्य विभाग ने जारी किया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों, स्वास्थ्य संस्थानों और चिकित्सा महाविद्यालयों में आग और विद्युत सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए इन संस्थानों में फायर ऑडिट और विद्युत सुरक्षा ऑडिट समय पर कराना अनिवार्य कर दिया गया है। भले ही संस्थान पहले से एनओसी प्राप्त कर चुके हों।

अस्पतालों का दोबारा कराए ऑडिट : जारी दिशानिर्देश के अनुसार प्रत्येक जिले के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और विद्युत सुरक्षा निरीक्षक से समन्वय स्थापित कर सभी अस्पतालों का दोबारा ऑडिट सुनिश्चित करना होगा। ऑडिट में पाई गई कमियों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से यथाशीघ्र दूर करने की भी बात कही गई है।

जरूरी विद्युत उपकरणों का ही करें प्रयोग

स्वास्थ्य विभाग ने निर्देश दिया है कि अस्पतालों में अनावश्यक विद्युत उपकरणों का प्रयोग रोका जाए क्योंकि इससे न केवल बिजली की खपत बढ़ती है बल्कि ओवरलोडिंग के कारण शॉर्ट सर्किट और आग लगने की आशंका भी रहती है। संवेदनशील स्थानों पर फायर एक्सटिंग्विशर जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं सक्रिय स्थिति में रखी जाएं। इसके अलावा ये भी निर्देश दिया गया है कि किसी भी आकस्मिक घटना की सूचना त्वरित रूप से देने हेतु अस्पतालों के प्रमुख स्थानों पर आपातकालीन संपर्क नंबर और जिम्मेदार अधिकारियों के मोबाइल नंबर प्रदर्शित किए जाए। इससे लोग तुरंत सूचना दे सकते है।

इन बातों का रखें ध्यान

स्वास्थ्य विभाग ने सभी अस्पताल प्रबंधन से यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि जहां कोई व्यक्ति उपस्थित नहीं है, वहां बिजली की आपूर्ति बंद होनी चाहिए। साथ ही स्विच बोर्डों और विद्युत उपकरणों के पास ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पेपर, फाइल आदि न रखी जाएं। निजी अस्पताल, नर्सिंग होम और चिकित्सा इकाइयों के पंजीकरण और नवीनीकरण के समय फायर और विद्युत सुरक्षा की एनओसी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना होगा। इन निदेशों का उल्लंघन करने वालों पर विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टाटा मोटर्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष तोते का नहीं होगा को-ऑप्शन

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन की कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को यूनियन के सभागार में हुई। इसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। चर्चा के बाद तय हुआ कि कार्यकारिणी से ही कोई अध्यक्ष होगा। ऐसे में साफ हो गया कि पूर्व अध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते का को-ऑप्शन नहीं होगा। इससे पहले को-ऑप्शन को लेकर चर्चा का बाजार गर्म रहा था। वहीं, इस दौरान यूनियन अध्यक्ष रहे गुरमीत सिंह तोते के रिटायर होने पर रिक्त हुए कमेटी सदस्य के पद पर चुनाव कराने पर भी सहमति बनी। फाउंड्री डिवीजन में रिक्त हुए सीट पर चुनाव कराया जाएगा। इसके लिए चुनाव संचालन समिति गठित हुई, जिसके प्रमुख सीताराम कंडई होंगे, वहीं बीके मिश्रा, दुर्गेश कुमार, गौरव कुमार व छोटन बनर्जी को सदस्य बनाया गया है।

मिठाई कारीगर के शव का हुआ पोस्टमार्टम, नालंदा ले गए परिजन

PHOTON NEWS DHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला थाना क्षेत्र में कॉलेज रोड स्थित रतन स्वीट्स के कारीगी कह मौत गुरुवार को हो गई थी। उसका पोस्टमार्टम शुक्रवार को एमजीएम मेडिकल कॉलेज में हुआ। पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव को लेकर बिहार के नालंदा के लिए रवाना हो गए। इस दौरान परिजनों ने कहा कि शव का अंतिम संस्कार करने के बाद जमशेदपुर लौटकर घाटशिला थाना में मामला दर्ज करने की गुहार लगाएंगे। अगर उनके आवेदन पर मामला दर्ज नही होता है, तो वे डीसी, एसपी, डीएलसी से लेकर डीजीपी तक जाएंगे। मृतक के भाई जितेंद्र चौधरी ने कहा कि भाई के साथ जो भी गलत हुआ है और उसमें जो भी लोग शामिल हैं, उन्हें किसी भी हाल में नहीं छोड़ेंगे। दूसरी ओर इस मामले को लेकर घाटशिला थाना प्रभारी सह आईपीएस प्रशिक्षु ऋषभ त्रिवेदी ने कहा कि मृतक के परिजनों की ओर से अभी तक कोई लिखित आवेदन नहीं मिला है। शुक्रवार को मृतक के परिजनों को थाना बुलाया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। पुलिस भी पोस्टमार्टन रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। रिपोर्ट में कुछ भी संदेहास्पद मिलता है, तो पुलिस निश्चित रुप से मामला दर्ज करेगी। दूसरी ओर लोगों का कहना है कि उस होटल में 16 से 17 मजदूर काम करते हैं। किसी भी मजदूर का बीमा नहीं कराया गया है।

अस्पताल में मृतक के परिजन ● फोटोन न्यूज

नाट्य कार्यशाला में युवा सीख रहे अभिनय की बारीकियां

JAMSHEDPUR : सांस्कृतिक कार्य निदेशालय (पर्यटन, कला, संस्कृति एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार) तथा पथ पीपुल्स एसोसिएशन फॉर थियेटर के संयुक्त तत्वावधान में 21 दिवसीय निशुल्क नाटक कार्यशाला का आयोजन बिष्टुपुर में सेंट मेरीज चर्च के पास एन रोड स्थित जीआरडी सिद्ध बिल्डिंग में किया जा रहा है। कार्यशाला के पांचवें दिन शुक्रवार को नाटक का मंचन एवं उसकी प्रक्रिया विषय पर विस्तृत सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को नाटक के विभिन्न चरणों जैसे- पठन-पाठन, पात्र चयन, रिहर्सल, मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, संवाद अदायगी तथा अंतिम प्रस्तुति की पूरी प्रक्रिया से परिचित कराया गया। इस अवसर पर जमशेदपुर के वरिष्ठ रंगकर्मी शिवलाल सागर ने प्रतिभागियों को रंगमंच की सूक्ष्मताओं से अवगत कराया। उन्होंने मंच पर आत्मविश्वास, भाव-भंगिमा, दृश्यबोध एवं संवाद की प्रभावशाली प्रस्तुति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। दूसरे सत्र का नेतृत्व कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक मोहम्मद निजाम ने किया, जो रंगमंच के क्षेत्र में अपनी लंबी अनुभव यात्रा के लिए जाने जाते हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने नाट्य मंचन की बारीकियों को व्यावहारिक रूप में एक खेल खेलाया जिसका नाम था, चित्र बोलते हैं... जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और रंगकला के प्रति अपनी गहरी उत्सुकता दिखाई।

मंचन करते कलाकार

साहित्यकार उदय हयात की पुस्तक 'चौखट पे बाजार' का हुआ लोकार्पण

JAMSHEDPUR : साहित्यकार डॉ. उदय हयात का नया गजल संग्रह 'चौखट पे बाजार ' का शुक्रवार को गोलमुरी स्थित भोजपुरी भवन में लोकार्पण किया गया। अरविंद विद्रोही की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में अशोक शुभदर्शी ने उदय हयात को जमीनी गजलकार कहा। शैलेंद्र अस्थाना ने कहा कि गजल में व्यंग्य का शोर आक्रोश से उत्पन्न होता है, जो कवि अपने भीतर दबा के रखता है। दिव्येंदु त्रिपाठी ने उदय हयात की गजलों के नयापन और जनवादी तेवर की प्रशंसा की। अरविंद विद्रोही ने उदय हयात को भोजपुरी व हिंदी का एक नए तेवर का शायर कहा, जो वर्तमान की चुनौतियों से टकराता है। इस अवसर पर डॉ. संध्या सिन्हा,, वीणा भारती, माधवी उपाध्याय, प्रो हरेंद्र प्रताप सिंह, काशीनाथ प्रजापति, मामचंद अग्रवाल, बलविंदर सिंह, मनीष कुमार, कैलाश गाजीपुरी,अजय मेहताब, रमेश हंसमुख, अजय प्रजापति, राजदेव सिन्हा, सविता सिह मीरा, हरिहर राय चौहान आदि उपस्थित थे।

देश भर में फैले महादेव एप के काले कारोबार में राज्य के सट्टेबाज भी शामिल

ऑनलाइन सट्टेबाजी के जाल में फंसे मनोहरपुर के युवक

RAJESHWAR PANDEY @ CHAIBASA : देश भर में बदनाम हो चुके महादेव सट्टा एप के ऑनलाइन नेटवर्क को छत्तीसगढ़ पुलिस ने तगड़ा झटका दिया है। हाल ही में रायपुर पुलिस द्वारा की गई एक बड़ी कार्रवाई में 6 राज्यों से 14 सटोरिए गिरफ्तार किए गए, जिसमें झारखंड के मनोहरपुर (पश्चिमी सिंहभूम) के तीन युवक भी शामिल हैं।

यह कार्रवाई तब सामने आई जब छत्तीसगढ़ की एंटी क्राइम और साइबर यूनिट ने आईपीएल 2025 सीजन के दौरान ऑनलाइन सट्टेबाजी के नेटवर्क पर नजर रखी। जांच के बाद पता चला कि कोलकाता और गुवाहाटी में बैठकर पूरे देश में ऑनलाइन सट्टा संचालित किया जा रहा था।

मनोहरपुर के 3 युवक गिरफ्तार : पश्चिमी सिंहभूम जिले के जिन तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है, उसमें मनोहरपुर बॉस मेडिकल के पास रहने वाले 21 साल के अंकुल मिश्रा, मनोहरपुर के देवी मंदिर गली में रहने वाले 23 साल के दीपांशु गुप्ता और मनोहरपुर रेलवे स्टेशन के सामने रहने वाला 19 साल का हरदीप सिंह शामिल है। मनोहरपुर जैसे इलाके से सट्टेबाजी के बड़े मामले में गिरफ्तार इन युवकों की गिरफ्तारी ने राज्य में हड़कंप मचा दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये सभी आरोपी महादेव एप के एल 95 लोटस, लोटस 651 और लोटस 656 जैसे पैनल चला रहे थे और इनके जरिए झारखंड समेत अन्य राज्यों से सट्टा खेलने वालों को जोड़ा गया था।

छत्तीसगढ़ पुलिस की गिरफ्त में सट्टेबाज ● फोटोन न्यूज

राज्य में युवाओं के लिए चेतावनी की घंटी

इस मामले में सबसे चिंता की बात यह है कि झारखंड के छोटे से कस्बे मनोहरपुर जैसे ग्रामीण इलाकों के युवा इस डिजिटल अपराध के जाल में फंस रहे हैं। गांवों और कस्बों में बेरोजगारी और तकनीक तक आसान पहुंच इस तरह के अपराध को बढ़ावा दे रही है। स्थानीय प्रशासन और साइबर सेल को अब राज्य के युवाओं को इस खतरे से बचाने के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे। स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों में साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है।

देशव्यापी नेटवर्क का भंडाफोड़

छत्तीसगढ़ पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई में कुल 14 सटोरिए गिरफ्तार किए गए, जिनमें से तीन झारखंड से, दो मध्यप्रदेश, एक पंजाब, एक उत्तर प्रदेश, एक बिहार और छह छत्तीसगढ़ के हैं। छापेमारी में इनके पास से पुलिस ने 67 मोबाइल फोन, 8 लैपटॉप, 4 राउटर, 94 एटीएम कार्ड, 15 सिम कार्ड, 32 बैंक पासबुक, 3 चेकबुक, 3 रजिस्टर जिनमें सट्टे का हिसाब-किताब लिखा था. कुल मिलाकर 30 लाख रुपये का सामान पुलिस ने आरोपियों के पास से जब्त किया है।

पुलिस की सख्ती और अगला कदम

देवेन्द्र नगर थाना में आरोपी युवकों पर भारतीय तार अधिनियम 25सी समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। साथ ही 1500 से अधिक बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। आईजी अमरेश मिश्रा और एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर यह छापेमारी कि कार्यवाही पूरी की गई। अब पुलिस की कोशिश है कि इस गिरोह के मुख्य सरगनाओं तक भी पहुंच बनाई जाए, ताकि महादेव एप का नेटवर्क जड़ से खत्म किया जा सके।

BRIEF NEWS

प्रणामी ट्रस्ट ने निराश्रितों को कराया भोजन

RANCHI : कृष्ण प्रणामी सेवा ट्रस्ट ने मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम पुंदाग में शुक्रवार को 37 दिव्यांग निराश्रितों को भोजन कराया गया। अपना घर आश्रम के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि 26 मार्च से 18 अप्रैल तक 23 दिनों में 3760 निराश्रितों और उनकी देखभाल करने वाले सेवादार साथियों के बीच अन्नपूर्णा सेवा भोजन प्रसाद का वितरण किया गया है। मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम में-धीरेंद्र कुवंर, अनिल मुरारका, संजय कुमार,अनीता देवी,रागिनी सिंह, बालकिशन परशुरामपुरिया, अशोक अग्रवाल, धीरज कुमार सहित अन्य, के सौजन्य से प्रसाद का वितरण किया गया। सभी ने ट्रस्ट के सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया और आशीर्वाद दिया।

फ्री में आइसक्रीम नहीं देने पर दुकानदार को चाकू मारने वाला अरेस्ट

RANCHI : फ्री में आइसक्रीम नहीं देने पर दुकानदार को चाकू मारकर घायल करने वाला आरोपी गिरफ्तार हुआ है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए मो। एनूस को गिरफ्तार किया है। वह सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के पहाड़ी टोला का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उल्लेखनीय है कि गुरुवार की रात यह घटना सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में हुई थी। जहां ठेले पर आइसक्रीम बेचने वाले एक दिलखुश किर नाम के युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया था। युवक राजस्थान का रहने वाला है और रांची में आइसक्रीम बेचने का काम करता था।

श्री सर्वेश्वरी समूह ने शुरू की किशोर गंज व अशोक नगर में निःशुल्क प्याऊ सेवा

RANCHI : गर्मी के मौसम में लोगों को राहत देने के लिए श्री सर्वेश्वरी समूह, रांची शाखा ने शुक्रवार को दो जगहों पर निःशुल्क प्याऊ सेवा की शुरूआत की। यह प्याऊ सेवा किशोर गंज चौक और अशोक नगर में शुरू की गयी है। इस सेवा के जरिये आम लोगों को स्वच्छ और ठंडा पानी मुफ्त में उपलब्ध कराया जायेगा। बता दें कि हर साल की तरह इस बार भी निःशुल्क प्याऊ सेवा पूरी गर्मी चलेगी। कार्यक्रम की शुरूआत पूजन और आरती के साथ की गयी।

मुख्यमंत्री का विदेश दौरा सिर्फ सैर सपाटे के लिए : प्रतुल शाहदेव

RANCHI : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विदेश दौरे पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यह सिर्फ कैमरा एक्सपोजर और और सैर सपाटे की दृष्टि से किया जा रहा है। ये पूरा दौरा करदाताओं के पैसे का अनावश्यक निवेश है। वे वास्तविकता में पर्यटन के उद्देश्य से स्पेन और स्वीडन का दौरा कर रहे हैं। स्वीडन और स्पेन में वर्ष 2024 में 13 करोड़ पर्यटक घूमने आए थे। मुख्यमंत्री अपने दल के साथ इस संख्या में इस वर्ष इजाफा करने जा रहे हैं।

बिना लाइसेंस बैंक्वेट हॉल चलाने वाले हो जाएं अलर्ट, निगम का एक्शन शुरू

आवासीय भवन का कॉमर्शियल उपयोग करने पर देना होगा टैक्स

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम ने शहर में बिना लाइसेंस संचालित हो रहे लॉज, हॉस्टल, मैरिज हॉल और धर्मशालाओं के खिलाफ एक्शन मोड में है। नगर निगम अब सीधे फाइन लगाएगा। इसके बाद भी अगर लाइसेंस के लिए प्रक्रिया शुरू नहीं की जाती है, तो भवन को सील कर दिया जाएगा। बता दें कि रांची नगर निगम ने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए नगर निगम से लाइसेंस लेना अनिवार्य किया है। इसके बावजूद संचालक लाइसेंस लेने में इंटरेस्ट नहीं दिखा रहे हैं।

इसे देखते हुए निगम ने पहले ही आम सूचना जारी कर पांच अप्रैल 2025 तक आवेदन करने की अंतिम तिथि तय की थी। लेकिन, कुछेक संचालकों ने ही लाइसेंस के लिए आवेदन दिया है। इससे साफ है कि उन्हें नगर निगम के कार्रवाई का कोई डर नहीं है। हालांकि निगम भी इस बार संचालकों को किसी तरह की राहत देने के मूड में नहीं है। यहीं वजह है कि निगम द्वारा दी गई समयसीमा समाप्त हो जाने के बाद अब जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

लाइसेंस के लिए प्रक्रिया शुरू नहीं करने पर भवन होगा सील

- भवन निर्माण की तिथि से वसूला जाएगा 100 प्रतिशत जुर्माना
- 5 अप्रैल तक संचालकों को लाइसेंस लेने का दिया गया था समय

भवन के आवासीय उपयोग पर भी टैक्स

इसके अलावा नगर निगम अब उन आवासीय भवन मालिकों पर भी शिकंजा कसने जा रहा है, जो अपने मकानों में किराएदार रखकर या दुकान खोलकर व्यावसायिक उपयोग कर रहे हैं। वे केवल आवासीय होल्डिंग टैक्स अदा कर रहे हैं। ऐसे मामलों में भी निगम जांच कर रहा है और यदि व्यावसायिक उपयोग पाया जाता है तो भवन निर्माण की तिथि से सौ प्रतिशत जुमार्ना वसूला जाएगा। नगर निगम ने सभी संबंधित प्रतिष्ठानों को चेतावनी दी है कि वे तुरंत लाइसेंस के लिए आवेदन करें अन्यथा न केवल भारी जुमार्ना लगेगा, बल्कि भवनों को सील भी किया जा सकता है।

नोटिस के बाद भी सुस्त है रवैया

इसी क्रम में एक दिन पहले रांची नगर निगम की बाजार शाखा की टीम ने हटिया में बिना लाइसेंस के चल रहे शगुन बैंक्वेट हॉल को सील कर दिया। अपर प्रशासक के कोर्ट में पारित आदेश के आलोक में की गई इस कार्रवाई में झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 466 के तहत सीलबंदी की गई। बताया गया कि शगुन बैंक्वेट हॉल को पूर्व में दो बार नोटिस जारी किया गया था, जिसमें लाइसेंस प्राप्त करने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समय सीमा के भीतर न तो लाइसेंस लिया गया और न ही आवेदन के साथ सभी जरूरी दस्तावेज लगाए गए। अधूरी जानकारी और दस्तावेजों के अभाव में उनका आवेदन अस्वीकृत कर दिया गया। इसके बावजूद हॉल का संचालन जारी था, जो झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 एवं झारखंड शहरी क्षेत्र धर्मशाला/विवाह भवन/बैंक्वेट हॉल/लॉज एवं हॉस्टल निर्माण एवं अनुज्ञप्ति नियमावली 2013 का उल्लंघन है।

प्रभु यीशु के मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर बढ़ें आगे : सीएम

RANCHI : सीएम हेमंत सोरेन ने गुड फ्राइडे पर अपना संदेश जारी किया है। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि प्रेम, दया, त्याग, समर्पण और मानवता का संदेश देकर प्रभु यीशु ने अपने जीवन का बलिदान दिया था। गुड फ्राइडे का यह दिन हमें प्रेम, क्षमा और करुणा का संदेश देता है। आइए, इस पवित्र दिन हम प्रभु यीशु के मूल्यों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें।

वसूली को लेकर ऑटो चालक संघ ने ट्रैफिक एसपी से की शिकायत

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के रातू रोड चौक में जाकिर हुसैन पार्क के पास ऑटो चालकों से अवैध वसूली का मामला सामने आया है। अवैध वसूली करने वाला कोई गुंडा-मवाली नहीं, बल्कि एक ट्रैफिक हवलदार है। जाकिर हुसैन पार्क के पास प्रतिदिन ऑटो चालकों से 50 रुपये की अवैध वसूली की जाती है। इस संबंध में रांची जिला ऑटो चालक यूनियन ने ट्रैफिक एसपी कैलाश करमाली को ज्ञापन सौंपा है। रांची जिला ऑटो चालक यूनियन ने जाकिर हुसैन पार्क के पास तैनात ट्रैफिक हवलदार मुखदेव राम पर ऑटो चालकों से अवैध वसूली का आरोप लगाया है। यूनियन के अनुसार प्रतिदिन वहां से गुजरने वाले ऑटो चालकों से 50 रुपए की अवैध वसूली की जाती है।

हेमंत सरकार में सहयोगी दलों के मंत्रियों को अपमानित करना बनी परंपरा : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विदेश दौरे को लेकर सवाल उठाया है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को कहा है कि आज प्रदेश में कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है, दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं, बिजली संकट गहराया हुआ है। इन सबके बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी विधायक पत्नी सहित एक बड़े सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ स्वीडन और स्पेन की यात्रा पर जा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष व राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री की इस यात्रा का उद्देश्य विदेशी निवेश लाना है, तो सबसे बड़ा सवाल है कि राज्य के उद्योग मंत्री को साथ क्यों नहीं ले जाया जा रहा है। उद्योग विभाग के सचिव और निदेशक तो इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं, लेकिन उद्योग मंत्री का नाम सूची से नदारद है। क्या निवेश की बातचीत में मंत्री की कोई भूमिका नहीं। मरांडी ने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं हो रहा। सुना है कि कोलकाता में हुई एक महत्वपूर्ण निवेश बैठक में भी उद्योग मंत्री को अपमानित कर अंतिम समय पर शामिल होने से रोक दिया गया था और उनके स्थान पर हेमंत सोरेन अपनी पत्नी को साथ ले गये थे। उन्होंने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि यह यात्रा सरकारी है, तो उद्योग मंत्री की जगह कल्पना सोरेन किस हैसियत से शामिल हो रहीं हैं। यदि यह निजी यात्रा है, तो फिर सरकारी खजाने से खर्च कर अधिकारियों की फौज क्यों भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि चौंकाने वाली बात यह भी है कि प्रतिनिधिमंडल में एक ऐसे सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी को शामिल किया गया है, जिनकी ख्याति से पूरा प्रदेश परिचित है।

मुख्यमंत्री के विदेश दौरे पर भाजपा ने उठाया सवाल, कहा-निवेश लाना है, तो उद्योग मंत्री को क्यों साथ नहीं ले जा रहे

प्रमोशन के लिए राज्यकर्मियों को मिलेगा ऑनलाइन विजिलेंस क्लीयरेंस

PHOTON NEWS RANCHI : अब राज्यकर्मियों के पदोन्नति और पदस्थापन में आसानी होगी। इसके लिए राज्य सरकार ने विजलेंस क्लीयरेंस को ऑनलाइन करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। ऑनलाइन प्रक्रिया होने से राज्य कर्मियों को विजिलेंस क्लीयरेंस प्राप्त करने के लिए महीनों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। एचआरएमएस के तहत विजिलेंस क्लियरेंस इन्फॉर्मेशन सिस्टम (वीसीआइएस) डेवलप किया गया है। यह व्यवस्था ऑनलाइन होगी। इसके लिए किसी भी पदाधिकारी को एचआरएमएस पर लॉगिंग कर एक्सेस किया जाएगा।

फिर विजिलेंस क्लियरेंस सिस्टम में इंप्लॉय कॉर्नर, एबीसी, टेक्निकल इवैल्युएशन, कैबिनेट विजिलेंस और संबंधित डिपार्टमेंट अपना-अपना अनुमोदन करेगा।

पदाधिकारियों को अपने पदस्थापन संबंधी विवरणी को एचआरएमएस पर अद्यतन रखना होगा। विभाग भी अपने पदाधिकारियों और कर्मचारियों की विवरणी को इस प्रणाली के तहत अद्यतन कराएगा।

इस प्रणाली में किसी भी पदाधिकारी के विरुद्ध दर्ज मामलों के संबंध में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, तकनीकी मूल्यांकन कोषांग तथा मंत्रिमंडल निगरानी विभाग के द्वारा ऑनलाइन सूचना अंकित की जाएगी। एसीबी प्रत्येक माह की पांच तारीख को किसी पदाधिकारी के विरुद्ध दर्ज मामलों या निष्पादित मामलों के संबंध में जानकारी वीसीआईएस (विजिलेंस क्लियरेंस इन्फॉर्मेशन सिस्टम) पर अद्यतन करेगा।

मानसिक कुंठा के शिकार हो गए हैं विधायक सीपी सिंह : शहजादा अनवर

PHOTON NEWS RANCHI : विधायक सीपी सिंह की ओर से मुसलमानों को जिहादी कहने पर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने आलोचना की है। उन्होंने शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि सीपी सिंह ने जानबूझकर मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि विधायक का बयान को शांति और सद्भाव में विश्वास रखने वालों के खिलाफ है। अनवर ने कहा कि भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पार्टी इस बयान का समर्थन करते हैं या विरोध। उन्होंने कहा कि यदि विधायक के बयान का समर्थन नहीं करते हैं तो सीपी सिंह पर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि भाजपा अपने नेता शाहनवाज हुसैन, मुख्तार अब्बास नकवी, जफर इस्लाम और राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान जैसे लोगों को भी क्या जिहादी समझती है, जिन मुस्लिम स्वतंत्रता सेनानीयों ने देश की आजादी के लिए कुर्बानियां दीं क्या वे सभी जिहादी थे। अनवर ने कहा कि जिस तरह महाराष्ट्र के विधायक के बयान देने पर विधानसभा अध्यक्ष ने कार्रवाई की और उन पर प्राथमिकी दर्ज की गई, उसी तरह इस मामले में भी सीपी सिंह पर कार्रवाई होनी चाहिए। ताकि समाज में दुर्भावना फैलाने की मंशा रखने वाले लोगों के बीच संदेश जाए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते कांग्रेस के नेता ● फोटोन न्यूज

सरकार की किसी भी सकारात्मक पहल से भाजपा नेताओं को ईर्ष्या : विनोद पांडेय

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता विनोद कुमार पांडेय ने भाजपा के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि हेमंत सरकार की किसी भी सकारात्मक पहल के प्रति भाजपा नेताओं में ईर्ष्या और असुरक्षा सर्वव्यापी है। भाजपा की प्रतिक्रिया में कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं है। एक आदिवासी युवा मुख्यमंत्री का विदेश दौरा भाजपा के नेताओं को भला कैसे पच सकता है, ये तो उनके डीएनए में ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड जल्द ही कई अन्य देशों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। हेमंत सोरेन का नेतृत्व क्षमता बेमिसाल है। उनके विराट व्यक्तित्व के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत होता जा रहा है। दूसरी ओर विपक्ष के नाम पर भाजपा नकारात्मक और निराशाजनक समूह बनता जा रहा है। भाजपा का एक ही काम है सांप्रदायिक सद्भावना को बिगाड़ने की साजिश रचना। चुनावों में जनता से नकारे जाने के बाद प्रदेश में भाजपा नेताओं के पास कोई काम नहीं है। इसलिए सरकार के सकारात्मक कार्य या पहल का परिणाम आने से पहले ही भाजपा के नेता अपने मुताबिक काल्पनिक परिणाम गढ़ कर राजनीति में जिंदा रहने की कोशिश कर रहे हैं।

मानव श्रृंखला बनाकर वक्फ कानून का किया गया विरोध

PHOTON NEWS RANCHI : केंद्र सरकार के वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ रांची में प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को रांची के हुसीर में मुस्लिम समाज के लोग अंजुमन इस्लामिया हुसीर के नेतृत्व में वक्फ (संशोधन) एक्ट 2025 के विरोध में सड़क पर उतरे। कारगिल चौक से अंबेडकर चौक तक मानव श्रृंखला बनाकर वक्फ कानून में हुए संशोधन एक्ट का विरोध किया। मानव श्रृंखला में गढ़ हुसीर, हुसीर, होचर, कनादु समेत आसपास के गांवों से मुस्लिम समाज के सैंकड़ों लोग शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में कहा- वक्फ (संशोधन) कानून 2025 का हम विरोध करते हैं। मानव श्रृंखला में लोग अपने हाथों में तख्ती लेकर खड़े थे। इसमें लिखा था- वक्फ हमारा संवैधानिक अधिकार है, वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 रद करो, हमारा संवैधानिक अधिकार मत छीनो, वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 हमें मंजूर नहीं। इस मौके पर अंजुमन इस्लामिया हुसीर के अध्यक्ष मोहम्मद सुलेमान, उपाध्यक्ष शकील अंसारी, सचिव निसार, मोहम्मद नसीम, कोषाध्यक्ष सफीउल्लाह, मौलाना नैय्यर इकबाल, मेराज अंसारी, अधिवक्ता शाहिद जमाल, मुरसलीम अंसारी, अब्दुल कय्यूम, मुकीद, इकराम अंसारी, सलामत, अमानत अंसारी, खालिद, आदि सैकड़ो की संख्या में लोग थे।

दूसरी ओर सेंट्रल अंजुमन इस्लामिया कमेटी कोकदोरो इस्लामपुर के बैनर तले बक्फ बोर्ड बिल के खिलाफ शांतिपूर्ण मानव श्रृंखला बनाकर हजारो की संख्या में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन किया गया। तख्ती लेकर पैदल बिरोध मार्च निकाला गया। मो.मजीद अंसारी के सदारत में विरोध प्रदर्शन किया गया। तबारक हुसैन सेक्रेट्री, नायब सेक्रेटरी परवेज आलम, नौजवान कमेटी के सदर अफरोज आलम, नायब सदर अजहर आलम, सेक्रेट्री मेराज अहमद, रिजवान अहमद, नायब सदर रुहूल अमीन डॉ. सहरोज आलम, सुल्तान आदिल, आफताब आलम, इजहार अंसारी, अशरफ इमाम छोटी मस्जिद, जनाब अफजल हुसैन के अलावा विरोध मार्च में सैकड़ो महिलाएं भी शामिल हुईं।

पारा थ्रो बॉल खिलाड़ियों ने केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया से की मुलाकात

PHOTON NEWS RANCHI : रांची में पारा थ्रो बॉल के खिलाड़ियों ने केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने खिलाड़ियों से पारा खेलों की जानकारी ली और हाल ही में एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं व बधाई दी। कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में पुरुष वर्ग से मुकेश कंचन, सनोज महतो, पवन लकड़ा, मुकेश कुमार, राजेश मेहता और महिला वर्ग से महिमा उरांव, अनीता तिर्की, पुष्पा मिंज, तारामणि लकड़ा, प्रतिमा तिर्की, असुंता टोप्पो के अलावा संजुक्ता एक्का शामिल थीं। केंद्रीय मंत्री ने सभी खिलाड़ियों की उपलब्धि की सराहना की और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर समाजसेवी ललित ओझा और शशांक राज भी उपस्थित थे।

हिंदी साहित्य भारती के अध्यक्ष बने बलराम

RANCHI : हिंदी साहित्य भारती की रांची इकाई की बैठक शुक्रवार को रांची लालपुर स्थित, होटल सिटी पैलेस में हुई। बैठक की अध्यक्षता इकाई के अध्यक्ष बलराम पाठक ने किया, जबकि प्रदेश महामंत्री राकेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगठन का विस्तार करते हुए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें अध्यक्ष के रूप में बलराम पाठक, उपाध्यक्ष- राजेश कुमार, संजय सर्राफ, सुनीता पाठक, संगठन महामंत्री- अजय राय और सुकुमार झा, संयुक्त महामंत्री- पूजा शेखर शुक्ला, निशांत पाठक, अभय कुमार पांडेय सहित अन्य का नाम शामिल है।

आज और कल आसमान में दिखेंगे हैरतअंगेज करतब

राजधानी में भारतीय वायु सेना के एयर शो को लेकर मुकम्मल हुई तैयारी

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के खोजा टोली आर्मी ग्राउंड नामकुम में 19 और 20 अप्रैल को होने वाले भारतीय वायु सेना के भव्य एयर शो को लेकर प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। इस कार्यक्रम के बेहतर संचालन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रांची मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक कर ब्रीफिंग की। उन्होंने कहा कि एयर शो एक अत्यंत महत्वपूर्ण आयोजन है। इसमें देश के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, एयर चीफ मार्शल सहित राज्य सरकार के वरीय अधिकारी, विधायकगण और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों को सजग और सतर्क रहकर अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समय पर उपस्थित होकर सौंपे गए कार्यों को पूरी जिम्मेदारी के साथ संपन्न करें, ताकि यह आयोजन एक सफल और ऐतिहासिक कार्यक्रम के रूप में दर्ज हो।

- डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की दी जानकारी
- केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, एयर चीफ मार्शल सहित राज्य सरकार के अधिकारी बनेंगे गवाह

वायु सेना के एयर शो को लेकर बैठक करते उपायुक्त व अन्य ● फोटोन न्यूज

विधि-व्यवस्था को रखें दुरुस्त

बैठक में साफ तौर पर कहा गया कि कार्यक्रम स्थल पर विधि व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और यातायात की सुगमता सर्वोच्च प्राथमिकता है। अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, बिजली, पार्किंग, अग्निशमन, मेडिकल टीम, साइनेज, एम्बुलेंस और वाहनों के रूट मार्किंग की व्यवस्था समय से पूरी कर ली जाए।

कैंपस में तैनात रहेंगे दंडाधिकारी

कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की जा रही है, जो कानून व्यवस्था संभालेंगे और कार्यक्रम को सुचारु रूप से संचालित करेंगे। उपायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि आगंतुकों को कार्यक्रम स्थल पर खाद्य पदार्थ लाने की अनुमति नहीं होगी, जिससे पक्षियों के आकर्षित होने की संभावना को रोका जा सके और एयर शो में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

एंट्री का नहीं है कोई चार्ज

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि कार्यक्रम में एंट्री निःशुल्क है और रांचीवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। उन्होंने बताया कि एयर शो का उद्देश्य युवाओं और बच्चों को भारतीय वायुसेना के प्रति जागरूक और प्रेरित करना है। साथ ही जिला के सभी स्कूलों और सीएम स्कूल आफ एक्सीलेंस की छात्राओं को आमंत्रित किया गया है। पीवीटीजी परिवारों को भी शो देखने का विशेष निमंत्रण दिया गया है।

त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

सुरक्षा के दृष्टिकोण से कार्यक्रम स्थल पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। डीआईजी-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा को लेकर पूरी योजना तैयार है। दर्शकों से अनुरोध किया गया है कि वे कार्यक्रम स्थल पर कोई खाद्य पदार्थ लेकर न आएं और सुबह 8:30 बजे तक अपनी जगह ले लें।

एमटीआईएस कंप्यूटर सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण संस्थान का हुआ उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : मार्क्स ट्रेनिंग एंड आईटी सर्विसेज (एमटीआईएस) कंप्यूटर सॉफ्टवेयर संस्थान का उद्घाटन कांके, बोड़या, मोरहाबादी रोड में फीता काटकर रांची विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव डॉ. प्रीतम कुमार ने किया। बोड़या पोटपोटो नदी पुल समीप एसएमएम परिसर में स्थापित किए गए इस मान्यता प्राप्त संस्थान का मुख्यालय नवी मुंबई में है। उद्घाटन पश्चात संस्थान की निदेशक डॉ. चित्रा रेखा सिन्हा ने बताया कि इस संस्थान में नामांकन लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सभी कोर्सों पर 50 प्रतिशत की राहत दी जाएगी। ट्यूशन फीस भी बहुत कम रखी गई है। संस्थान में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण से संबंधित सभी कोर्स कराए जाएंगी। साथ ही प्रोजेक्ट गाइडेंस, आईटी कंसलटेंट व कॉर्पोरेट प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। कोर्स करने के पश्चात प्लेसमेंट के लिए भी मदद की जाएगी। संस्थान में 10 वर्ष से ऊपर के बच्चे भी अपना नामांकन कर सकते हैं। मौके पर गोविंद नारायण तिवारी, आचार्य अजय मिश्रा, डॉ. एमपी सिंह, वीरेंद्र नारायण तिवारी, अभय नारायण तिवारी, मनोहर नारायण तिवारी, संजय गांधी कॉलेज पंडरा के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार, डॉ. बीना दुबे, डॉ. राज श्रीवास्तव, डॉ. बोनिता दिवाकर, डॉ. पंपा सेन, डॉ. पायल कुमारी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

समाचार सार

सीए सिद्धार्थ बने आईसीएआई के केंद्रीय समिति सदस्य

JAMSHEDPUR : द इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आफ इंडिया (आईसीएआई), नई दिल्ली में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें आइसीएआई की केंद्रीय समिति में सीए फर्मों के एकत्रीकरण समिति में वर्ष 2025-26 के लिए सदस्य बनाया गया है। एकत्रीकरण समिति (सीएसीएएफ) का उद्देश्य ऐसे परिवर्तनकारी सुधारों को आगे बढ़ाना है जो भारतीय सीए फर्मों को वैश्विक पेशेवर उत्कृष्टता के शिखर पर स्थापित करेंगे।

सांसद-विधायक ने किया सड़क का शिलान्यास

SONUA : सांसद जोबा मांझी और विधायक जगत माझी ने शुक्रवार को सोनुवा में ग्रामीण सड़क का शिलान्यास किया। यह सड़क मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सोनुवा कुइड़ा पथ से रेंगालबेड़ा तक 02.55 किमी पथ का निर्माण लगभग पौने चार करोड़ रुपये की लागत से होगा। शिलान्यास के बाद रेंगालबेड़ा गांव में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि पूरा गांव टापू के समान है। ग्रामीणों की जरूरत को देखते हुए सड़क निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है। ग्रामीणों ने सांसद और विधायक का स्वागत ढोल-नगाड़ों और नृत्य से किया। इस मौके पर पूर्व मुखिया फूलचंद जामुदा, अमित अंगरिया, आरईओ के कनीय अभियंता पप्पू कुमार, उदय सिंह पूर्ति, राहुल पूर्ति, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष सागर महतो, संजय जामुदा, प्रेम पूर्ति, किशोर दास, विजय जोंको, दीपक माझी, सारंगधर महतो आदि भी उपस्थित थे।

पूर्व विधायक मुकुंद राम तांती को दी श्रद्धांजलि

JAGANNATHPUR : पान-तांती समाज की ओर से जगन्नाथपुर में बहरागोड़ा के प्रथम विधायक रहे मुकुंद राम तांती की 20वीं पुण्यतिथि मनाई गई। समाज के लोगों ने स्व. तांती की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। पान तांती संघ के प्रखंड अध्यक्ष शरण पान की अगुआई में हुए कार्यक्रम में अभिमन्यु पान, शेखर दास, रोशन पान, शशि दास, राजकिशोर पान, अर्जुन दास, उमाकांत दास आदि भी थे। एकीकृत सिंहभूम जिला के जगन्नाथपुर के पोखरिया गांव में जन्मे मुकुंद राम तांती स्वतंत्रता सेनानी व सामाजिक कार्यकर्ता भी थे। बिहार विस के लिए 1952 में हुए प्रथम चुनाव में वे बहरागोड़ा से विधायक बने थे। उनका निधन 18 अप्रैल 2005 को 103 वर्ष की आयु में हुआ था।

घाटशिला में चला सघन वाहन जांच अभियान

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले की घाटशिला थाना पुलिस ने शुक्रवार को घाटशिला कॉलेज रोड स्थित जेसी स्कूल के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इससे वाहन चालकों के बीच हड़कंप मच गया। अभियान के दौरान दोपहिया और चारपहिया वाहनों में हेलमेट, सीट बेल्ट और वाहन के जरूरी कागजातों की जांच पर जोर दिया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों को फटकार लगाई गई और ऑनलाइन चालान भी काटा गया। जांच के दौरान विद्युत विभाग के कर्मचारी को भी नहीं छोड़ा। लाइनमैन सहदेव थापा ने बताया कि सब-स्टेशन के पास ब्रेकडाउन हुआ है, तत्काल जाना है। इस दौरान लगभग 2 घंटे से पूरे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित थी। लोगों ने बताया कि पुलिस का सुरक्षा पर ध्यान कम है, परेशान कर सरकार का रेवेन्यू बढ़ाने पर विशेष ध्यान है। 5 दिन बीत जाने के बाद भी करोड़ों रुपए लेकर फरार कंपनी के विरुद्ध प्राथमिकी तक दर्ज नहीं हुई। रतन स्वीट्स के कारीगर की मौत मामले में भी अब तक पुलिस द्वारा जांच की दिशा में कारगर कदम नहीं उठाया गया है। वाहन जांच के मौके पर प्रशिक्षु आईपीएस सह घाटशिला थाना प्रभारी ऋषभ त्रिवेदी समेत काफी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और पुलिस जवान मौजूद थे।

कपाली क्षेत्र में हुई हत्या मामले में तीन गिरफ्तार

पुलिस ने 24 घंटे में मामले का कर दिया खुलासा

PHOTON NEWS SERAIKELA : पुलिस ने चांडिल थाना अंतर्गत कपाली ओपी क्षेत्र में हुई हत्या मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। चांडिल अनुमंडल कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शुक्रवार को एसडीपीओ अरविंद कुमार सिन्हा ने बताया कि घटना 15 अप्रैल की रात करीब 2:30 बजे की है। मोहम्मद हुसैन नामक व्यक्ति की हत्या ताजनगर स्थित तस्लीमा नेता के घर के पीछे की बाउंड्री के पास की गई।

सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और वहां से खून से सना पत्थर और ईंट बरामद किया गया। मृतक की पत्नी अरीबा परवीन के बयान पर कपाली ओपी में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें मोहम्मद सहबान, साजन और अफाक को नामजद आरोपित बनाया गया था। मामले की त्वरित जांच करते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीन अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में मो. सलाउद्दीन, मो. अब्दुल अंसारी उर्फ सोनू और मो. कलीम शामिल हैं। इनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त पत्थर, ईंट और मृतक का टूटा हुआ एंड्रॉयड फोन बरामद किया गया। इसके अतिरिक्त सलाउद्दीन और सोनू से अन्य दो एंड्रॉयड फोन और कलीम से एक फोन जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार, सलाउद्दीन पूर्व में भी दो मामलों में आरोपी रह चुका है, जिनमें से एक में उस पर हत्या की कोशिश और दूसरे में हत्या का आरोप है।

पुलिस अब अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है और मामले में आगे की जांच जारी है।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

साकची स्थित कार्यालय में बैठक करते भाकपा कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

हिंदू मतों के लिए लाया गया वक्फ संशोधन बिल : सीपीआई

JAMSHEDPUR : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की जिला कमेटी की बैठक शुक्रवार को साकची कार्यालय में हुई। इस दौरान वक्फ बोर्ड पर केंद्र सरकार द्वारा जारी नियम पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता शशि कुमार ने की। संशोधित नियम पर चर्चा करते हुए सचिव मंडल ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पारित किया गया संशोधन सिर्फ हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण को ध्यान में रखकर लाया गया है। किसी भी संप्रदाय को खुद को उस संप्रदाय का होने के लिए प्रमाणित करने, वक्फ बोर्ड में हिंदू सदस्य को रखने,और वक्फ बोर्ड के जमीन का प्रमाण मांगने का प्रावधान, संप्रदाय विशेष को परेशान करने का प्रयास है। सचिव मंडल ने इस बात पर अपनी सहमति जताई की वक्फ बोर्ड की कार्यशैली में पारदर्शिता लाने, वक्फ बोर्ड की संपत्तियों का आम जनता के भलाई के लिए उपयोग किया जाना चाहिए। इसके साथ ही सचिव मंडल ने दोहराया कि देश के अंदर जो भी चीजें हों, वह संविधान के दायरे में होनी चाहिए, न कि बहुमत के नाम पर कुछ भी किया जाए। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भाजपा सरकार के ऐसे किसी भी निर्णय का विरोध करती है। इस चर्चा में जिला सचिव अंबुज कुमार ठाकुर, ओम प्रकाश सिंह, धनंजय शुक्ला, हीरा अरकने, हुसैन अंसारी, विक्रम कुमार, प्रिंस सिंह व मुकेश रजक भी शामिल थे।

पारा शिक्षक की पत्थर से कूच कर हत्या, जांच जारी

BANDGAON : पश्चिमी सिंहभूम जिला के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र टेबो थाना के पिंगु गांव निवासी 57 वर्षीय सनिका टोपनो की अज्ञात अपराधियों ने पत्थर से कूच कर हत्या कर दी है। पुलिस ने शव बरामद कर लिया है। जानकारी के अनुसार, सनिका टोपनो बुधवार की सुबह 6 बजे पैदल पिंगु स्थित अपने घर से लोवाहातु विद्यालय निकले थे, लेकिन शाम तक घर नहीं लौटे। इसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की, मगर कुछ पता नहीं चला। इसके बाद गुरुवार की सुबह परिजनों ने टेबो थाना में गुमशुदा होने का मामला दर्ज कराया। पुलिस व ग्रामीणों ने काफी खोजबीन करते हुए गुरुवार को हरसिंग कोचा के जंगल में शव बरामद किया। शव के सिर पर पत्थर से कुचले जाने के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव को जब्त कर टेबो थाना लाया, जहां शाम हो जाने के कारण शव का पोस्टमार्टम शुक्रवार को कराया गया। मृतक के दो पुत्र व एक पुत्री हैं। परिजनों के मुताबिक मृतक की किसी से दुश्मनी नहीं थी। इस घटना से पिंगु के ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों के मुताबिक सनिका टोपनो एक अच्छे व्यक्ति थे।

मृतक की फाइल फोटो

मोहित शाह पर वाट्सएप ग्रुप में भद्दी टिप्पणी के लिए एफआईआर

JAMSHEDPUR : प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन 2025-27 नामक वाट्सएप ग्रुप में, जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से 500 से अधिक मारवाड़ी समाज के लोग जुड़े हैं, इस ग्रुप में शहर के व्यवसायी उमेश शाह के पुत्र मोहित शाह ने झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के आजीवन सदस्य धर्म चंद्र पोद्दार के खिलाफ भद्दी टिप्पणी की है। इस पर पोद्दार ने मोहित के खिलाफ मानगो थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पोद्दार ने बताया कि इस ग्रुप में मोहित शाह ने उनके परिवार के विषय में आपत्तिजनक टिप्पणी की है। इसके बाद जब धर्मचंद्र पोद्दार ने मोहित शाह को ग्रुप से हटाया, तो मोहित शाह ने धर्मचंद्र पोद्दार के व्यक्तिगत वाट्सएप पर आपत्तिजनक मैसेज भेजे और वाट्सएप कॉल करके धमकी दी। पोद्दार ने बताया कि उन्हें आशंका है कि मोहित शाह आगे चलकर मुझे और मेरे परिवार को किसी प्रकार की क्षति भी पहुंचा सकता है।

कंपनी के समक्ष आने वाली चुनौती से निपटने में वर्कर्स यूनियन की भूमिका अहम : एमडी

टाटा स्टील ग्रुप कंपनियों के यूनियन नेताओं के लिए हुई एक दिवसीय कार्यशाला

PHOTON NEWS JSR : टीआरएफ वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय की पहल पर कंपनी के जेआरडी टाटा ट्रेनिंग सेंटर में शुक्रवार को टाटा समूह के यूनियन नेताओं के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वाइस प्रेसिडेंट (एचआरएम) अन्नेई सान्याल एवं विशिष्ट अतिथि टीआरएफ कंपनी के प्रबंध निदेशक उमेश कुमार सिंह थे। इस मौके पर टीआरएफ के प्रबंध निदेशक ने कहा कि यूनियन लीडर्स को कंपनी एवं बाजार की वस्तुस्थिति से अवगत रहना एवं वर्तमान व भविष्य की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उनसे निपटने की दिशा में एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। ग्रुप एचआर हेड जुबिन पालिया ने कहा कि कंपनी के उन्नति के लिए यूनियन का मजबूत एवं सशक्त होना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे ट्रेनिंग कार्यक्रम समय-समय पर होते रहने चाहिए। टाटा स्टील के वीपी (एचआरएम) अन्नेयी सान्याल ने ऑनलाइन संबोधित किया। कार्यक्रम की शुरूआत करते जुबिन पालिया ने स्टील सेक्टर की चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने ने बताया कि टाटा स्टील वर्तमान चुनौतियों से निपटने के लिए जरूरी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इन चुनौतियों से निपटने में यूनियन लीडर्स की भी अहम भूमिका रहेगी। इस दौरान पूर्व चीफ एचआरएम ग्रुप-आईआर पीएन प्रसाद ने एक विश्वसनीय भागीदार के रूप अपने हितधारकों का प्रबंधन विषय पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते टीआरएफ के एमडी उमेश कुमार सिंह

अनंतेश्वर धाम बनेगा प्रसिद्ध पर्यटन स्थल, विधायक ने किया निरीक्षण

PHOTON NEWS BAHRAGORA : पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा प्रखंड के इचड़ाशोल गांव में ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थल अनंतेश्वर धाम है, जो डुंगरीबाबा मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। इसे पर्यटन स्थल बनाने की पहल शुरू की गई है। इसे लेकर शुक्रवार को विधायक समीर कुमार महंती ने निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस धाम की स्थापना में विनायक बेरा का विशेष योगदान है। इस पवित्र स्थल की स्थापना बाबा बलिया जी महाराज की प्रेरणा से हुई थी। बाबा बलिया जी की राय में यह धाम न केवल धार्मिक महत्व का है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। इस स्थल के पुनरुद्धार का कार्य एक जनआंदोलन के रूप में शुरू हुआ। वर्तमान में यह स्थल बाबा बलिया सेवा दान एवं शिशु सदन अनंतेश्वर पूजा समिति द्वारा संचालित किया जाता है। निरीक्षण के दौरान विधायक ने कहा कि सरकार से विशेष आग्रह करेंगे कि इसे एक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए। इससे न केवल सांस्कृतिक संरक्षण होगा, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। इस मौके पर झामुमो के असित मिश्रा, रासबिहारी साव, मदन मन्ना, निर्मल जेना, खितीश मुंडा आदि सहित मंदिर समिति के अध्यक्ष बंकिम जाना भी उपस्थित थे।

स्थल निरीक्षण करते विधायक समीर महंती ● फोटोन न्यूज

मनोहरपुर में दंतैल हाथी ने घर को किया ध्वस्त

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड के सारंडा वन क्षेत्र के गिंडुग अंतर्गत बांधटोली में दंतैल हाथी ने एक घर को ध्वस्त कर दिया है। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग के अभिषेक प्रधान ने हाथी द्वारा ध्वस्त किए गए घर का मुआयना किया और मुआवजा का फॉर्म भरवाया। घर की मालकिन मीना देवी ने बताया की शुक्रवार को रात लगभग 2 बजे एक दंतैल हाथी ने रसोईघर को दांत से मारकर ध्वस्त कर दिया। हाथी ने रसोईघर में रखे घरेलू बर्तन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। मीना देवी ने बताया कि इस दौरान वे लोग दूसरे घर में दुबके हुए थे। शुक्रवार सुबह वन विभाग की टीम पहुंची।

चार माह भी नहीं चली सबर टोला की सोलर जलमीनार

GHATSILA : गर्मी के शुरू होते ही घाटशिला प्रखंड के लगभग सभी पंचायत में पेयजल संकट गहराने लगा है। इसका मुख्य कारण पंचायत एवं गांव में लगे अधिकतर चापाकल व जलमीनार खराब हैं। गर्मी शुरू होने से पहले ही जिला स्तर पर चापाकल व जलमीनार बनाने के लिए हाय-तौबा मचने लगती है, लेकिन गर्मी बीत जाने के बाद भी यह नही बन पाता है। ऐसा ही एक मामला कालचित्ती पंचायत के छतरडांगा सबर टोला में देखने को मिल रहा है। इस टोला में 15वें वित्त आयोग की राशि से वर्ष 2021 में लगभग चार लाख रुपये की लागत से सोलर जलमीनार बनाया गया था। सबर टोला में पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं थी। यह निर्माण पंचायत की तत्कालीन मुखिया सोमवारी सोरेन द्वारा लाभुक समिति के माध्यम से कराया गया था। लेकिन, जलमीनार बनने के बाद चार महीने भी नहीं चला। उसका मोटर खराब हो गया। इसके कई माह बाद फिर मुखिया द्वारा विभागीय मिस्त्री बुलाकर मोटर बनाया गया, लेकिन वह भी कुछ माह में खराब हो गया। वह अभी तक खराब है।

खराब पड़ी सोलर जलमीनार

गिरजाघरों में मसीहियों ने गुड फ्राइडे पर की विशेष प्रार्थना

घाटशिला के चर्च में प्रार्थना करते मसीही ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड के विभिन्न चर्च में मसीहियों ने गुड फ्राइडे मनाया। ईसाई समुदाय को लोगों का मानना है कि यीशु की मृत्यु ने मानवता को पापों से मुक्ति दिलाई और उनकी मृत्यु के बाद तीसरे दिन (ईस्टर संडे) वे जी उठे थे। गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाएं हुईं। कई लोगों ने उपवास रखे और पश्चाताप किया। यह उनके प्रेम, त्याग और क्षमा का प्रतीक है। गुड शब्द यहां पवित्रता और ईश्वरीय उद्देश्य को दशार्ता है, न कि खुशी को, क्योंकि यह दिन दुख और शोक का है। इस दिन यीशु के क्रूस पर चढ़ने की घटनाओं को स्मरण किया जाता है। चर्चों में भजन, प्रभु भोज और बाइबल पाठ किया गया। माहौल पूरी तरह से शांत और गंभीर था। इस दिन आत्मचिंतन, पापों के लिए क्षमा मांगने और ईश्वर के प्रति समर्पण का है। कई लोग काले कपड़े पहनकर शोक व्यक्त करते दिखे। गुड फ्राइडे की तारीख हर साल बदलती है, क्योंकि यह मून कैलेंडर पर आधारित होती है। यह आमतौर पर मार्च या अप्रैल में ही पड़ता है।

गुड फ्राइडे पर मसीहियों ने निकाली क्रूस के 14 पड़ावों की झांकी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में शुक्रवार को गुड फ्राइडे को लेकर सभी चर्च और गिरजाघर में विशेष प्रार्थना सभा की गई। चाईबासा के एसपीजी मिशन स्कूल परिसर, जेवियर चर्च,जीएल चर्च सहित जगन्नाथपुर और चक्रधरपुरअनुमंडल में शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवसर पर प्रभु यीशु के क्रूस मरण एवं पवित्र क्रूस की उपासना की गई। चक्रधरपुर के पोटका स्थित रोमन कैथोलिक चर्च में इसकी झांकी यूथ ग्रुप द्वारा गिरजाघर परिसर में निकाली गई। इसके अलावा समुदाय के लोगों ने प्रभु यीशु के क्रूस के रास्ते का मंचन किया। इस दौरान पहले स्थान से लेकर 14वें स्थान तक मतलब प्राण दंड के लिए प्रभु यीशु को कंधे पर क्रूस लादने से लेकर सूली में चढ़ने तक की प्रस्तुति दिखाई गई। इसमें सिरीनी सिमोन को प्रभु यीशु मसीह के रूप में क्रूस ढोते दिखाए गए।

आठ बार लगा चुकी है डीसी ऑफिस के चक्कर, हर बार कहा जाता- इस महीने आ जाएगी रकम

पेंशन के लिए छह महीने से भटक रही दिव्यांग महिला

MUJTABA RIZVI @ JSR : जमशेदपुर में डीसी कार्यालय के सामाजिक सुरक्षा विभाग के कार्यालय मे मौजूद लोग अचानक दया भाव से गेट की तरफ देखते हैं। एक दिव्यांग महिला जमीन पर घिसटती हुई कार्यालय में दाखिल होती है। महिला कार्यालय में सीधे एक क्लर्क के पास जाती है। क्लर्क को अपना पासबुक और आधार कार्ड दिखाती है और बताती है कि उसे छह महीने से दिव्यांग पेंशन नहीं मिल रही है। यह महिला विधवा भी है। क्लर्क जवाब देता है कि इस महीने उसे पिछले सभी महीनों का भुगतान कर दिया जाएगा। परेशान मत होइए। घर जाइए। इस पर वहां मौजूद लोग महिला से कहते हैं, जाइए इस महीने आपका काम हो जाएगा।

डीसी ऑफिस पहुंची महिला ● फोटोन न्यूज

साकची टेंपो स्टैंड से ऐसे ही जाती है डीसी ऑफिस

लक्ष्मी ने बताया कि वह अपने घर से धतकीडीह मेन रोड तक घिसट कर ही जाती है। इसके बाद वह साकची टेंपो स्टैंड पर उतरती है। यहां से घिसटते हुए ही डीसी दफ्तर तक जाती है। लक्ष्मी ने किसी के कहने पर लालच में दिव्यांग पेंशन के साथ ही विधवा पेंशन का भी आवेदन कर दिया था। यहां क्लर्क ने लक्ष्मी को बताया कि उसे एक ही योजना का पैसा मिलेगा। विधवा पेंशन नहीं मिलेगी। क्योंकि, पहले से ही दिव्यांग पेंशन मिल रही है।

इस पर महिला अपनी व्यथा सुनाने लगती है। महिला बताती है कि इस बार नहीं हर बार बाबू यही कहते हैं कि उसे इस महीने पेंशन मिल जाएगी। रकम उसके बैंक खाते में आ जाएगी। मगर, छह महीने से आज तक एक पाई उसके खाते में नहीं आया। इस महिला का नाम लक्ष्मी है। उसकी दो बेटियां थीं। दोनों बेटियों की शादी हो चुकी है। अब महिला तन्हा धतकीडीह स्थित घर में रहती है। महिला के दोनों पैर बेकार हैं। कई साल से उसकी यही हालत है। वह काम नहीं कर सकती। इसलिए, उसके घर में खाने के लाले हैं। कई दिनों से चूल्हा नहीं जला। लक्ष्मी लोगों से मदद की आस में जिंदगी काट रही है। लक्ष्मी बताती है कि पेंशन से काफी फायदा हो जाता है। पेंशन आने पर कम से कम उसका पेट भर जाता है। मगर, यह आस भी अब उससे छिनती नजर आ रही है।

दो साल से नहीं आ रही पेंशन

करनडीह की रहने वाली पूनम कर्मकार भी दो साल से डीसी ऑफिस का चक्कर काट रही हैं। उन्होंने दो साल पहले ही विधवा पेंशन के लिए आवेदन दिया था। अब तक नहीं पता चल पा रहा है कि उनका आवेदन मंजूर हुआ या नहीं। उनके आवेदन का क्या होगा। पूनम कर्मकार बताती हैं कि जब भी वह आती हैं क्लर्क यही बताता है कि देख रहे हैं। अब तक कोई सही बात नहीं बता रहा है। इस बार वह गुरुवार को सामाजिक सुरक्षा विभाग के कार्यालय आईं तो यही बताया गया कि अभी पता नहीं चल पा रहा है। बाद में आइए।

महिलाएं परेशान

पेंशन मामले में सामाजिक सुरक्षा कोषांग की लापरवाही सामने आ रही है। इस संबंध में जब सामाजिक सुरक्षा कोषांग की निदेशक नेहा संजना खलखो से संपर्क करने की कोशिश की गई तो वह गुरुवार को अपने कार्यालय में नहीं मिलीं। फोन पर भी उनसे बात नहीं हो सकी।

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथाम:

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खी: मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती है

रोकथाम:

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथाम:

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथाम:

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड्रीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

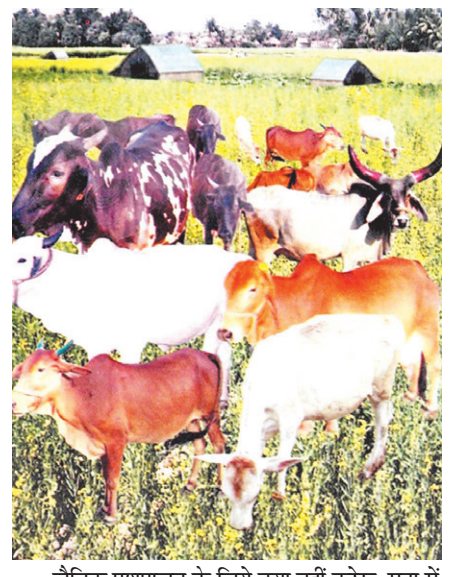

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी

पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक काचं एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवे। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुनः सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पत्तियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

देश में समाप्त होने के कगार पर नक्सलवाद

रमेश सर्राफ धमोरा

केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है।

पिछले छः दशकों से देश में नासूर बनकर उभरा नक्सलवाद अब समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। देश के गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में घोषणा की है कि 31 मार्च 2026 तक देश में नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्री द्वारा की गई यह एक बहुत बड़ी घोषणा है। गत 60 वर्षों से देश नक्सलवाद की समस्या से बुरी तरह पीड़ित रहा है। इस दौरान देश में कई सरकारें आई और चली गई मगर नक्सलवाद का नासूर दिनों-दिन बढ़ता ही रहा था। देश के कई प्रदेशों में तो बहुत बड़े हिस्से में नक्सलवादी अपनी समानांतर सरकार तक चलाते थे। नक्सलवाद प्रभावित जिलों में उनकी हुकूमत चलती थी। वहां केंद्र व राज्य सरकार का कोई असर नहीं दिखता था। नक्सलियों का फरमान ही अंतिम आदेश होता था जिसे लोग मानने को मजबूर थे।

मगर अब परिस्थितियों पूरी तरह बदल चुकी है। केंद्र सरकार की नक्सलवाद से मुक्ति के अभियान की सफलता से नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। कई बड़े-बड़े नक्सली कमांडर सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ढेर हो चुके हैं या फिर उन्होंने सरेंडर कर अपनी जान बचा ली है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनो कहा कि नक्सलवाद मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत ने वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या 12 से घटाकर 6 कर दिया है। शाह ने नक्सलवाद को खत्म करने के लिए मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हुए और सभी क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए देश की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा था कि मोदी सरकार सर्वव्यापी विकास के लिए अथक प्रयासों और नक्सलवाद के खिलाफ दृढ़ रुख के साथ सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध भारत बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। हम 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

गृह मंत्रालय के अनुसार भारत में नक्सलवाद से प्रभावित जिलों की कुल संख्या पहले 38 थी। इनमें से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या अब घटकर 6 हो गई है। साथ ही चिंता के जिलों और अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या में भी कमी आई है। नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित छह जिलों में अब छत्तीसगढ़ में चार जिले बीजापुर, कांकेर, नारायणपुर और सुकमा झारखंड का पश्चिमी सिंहभूम जिला व महाराष्ट्र का गढ़चिरौली जिला शामिल है। इसके अतिरिक्त चिंता के जिलों की संख्या जिन्हें गहन संसाधनों और ध्यान की आवश्यकता है 9 से घटकर 6 रह गई है। ये जिले आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू, मध्य प्रदेश में बालाघाट, ओडिशा में कालाहांडी, कंधमाल और मलकानगिरी और तेलंगाना में भद्राद्री-कोठागुडेम हैं।

अन्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या जो नक्सली गतिविधि का भी सामना कर रहे हैं लेकिन कम हद तक 17 से घटकर 6 हो गई है। इनमें छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी, झारखंड का लातेहार, ओडिशा का नुआपाड़ा और तेलंगाना का मुलुगु जिला शामिल हैं। इन जिलों को उनके पुनर्निर्माण और विकास में सहायता करने के लिए केंद्र सरकार विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सबसे अधिक प्रभावित जिलों को 30 करोड़ रुपये मिलते हैं। जबकि सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में अंतराल को भरने के लिए चिंता वाले जिलों को 10 करोड़ रुपये आवंटित किए जाते हैं। इन क्षेत्रों की जरूरतों के अनुरूप विशेष परियोजनाओं को भी सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में कम से कम 130 नक्सली मारे गए हैं। इनमें से 110 से ज्यादा बस्तर संभाग में मारे गए जिसमें बीजापुर और कांकेर समेत सात जिले शामिल हैं। देश के विभिन्न हिस्सों से 105 से अधिक नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 2025 में अब तक 164 ने आत्मसमर्पण कर दिया है। वहीं इससे पहले वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

वर्ष 2014 तक कुल 66 फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशन थे जबकि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में इनकी संख्या बढ़कर 612 हो गई है। इसी प्रकार, 2014 में देश में 126 जिले नक्सलप्रभावित थे लेकिन 2024 में सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या घटकर मात्र 12 रह गई है। पिछले 5 वर्षों में कुल 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड्स बनाए गए हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2004 से 2014 तक देश में नक्सलवाद से जुड़ी 16,463 हिंसक घटनाएं हुई थीं। लेकिन पिछले 10 वर्षों में इसमें 53 प्रतिशत कमी आई है। वर्ष 2004 से 2014 तक विभिन्न नक्सली हमलों और नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान 1851 सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। लेकिन पिछले 10 साल में सुरक्षाबलों के हताहत होने की संख्या 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई है। वहीं 2004 से 14 के बीच नक्सली हमलों में 4,766 नागरिकों की मौत हुई थी। 2014 से 2024 के बीच यह आंकड़ा 70 प्रतिशत घटकर 1495 रह गया है।

गृह मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। पिछले 20 वर्षों में 2,344 सुरक्षाकर्मियों ने नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान गंवाई है पिछले दो दशकों में अकेले नक्सली हमलों में 6,258 लोग मारे गए हैं। जब देश में नक्सलवाद अपने चरम पर था तब 8 करोड़ लोगों को प्रभावित किया था। जिनमें मुख्य रूप से आदिवासी थे। यह आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में फैले एक लाल गलियारे के साथ 10 राज्यों में फैला हुआ था।

सरकार एक तरफ जहां नक्सलवाद को समाप्त करने की घोषणा कर रही है वहीं दूसरी तरफ शहरी नक्सलवाद जिसे अर्बन नक्सलवाद भी कहा जाता है तेजी से उभर रहा है। यह पारंपरिक ग्रामीण नक्सलवाद से अलग है क्योंकि इसका फोकस शहरों और शहरी इलाकों में होता है। शहरी नक्सली विचारधारा के समर्थक, जिनमें शिक्षाविद, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता और बुद्धिजीवी शामिल होते हैं नक्सलवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक माध्यमों से अपनी विचारधारा फैलाते हैं और व्यवस्था के खिलाफ असंतोष को भड़काते हैं।

देश में नक्सलवाद के खिलाफ केंद्र सरकार के समग्र प्रयासों का असर दिखने लगा है। सरकार के प्रयासों का नतीजा है कि अब देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या में कमी हो रही है। सरकार ने नक्सलवाद-मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। देश में वामपंथी उग्रवाद से अति प्रभावित जिलों की संख्या में कमी आना इस आंदोलन की समाप्ति के संकेत है।

नक्सलवादी आंदोलनकारियों ने अपनी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों से देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। हजारों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। वहीं बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों ने भी नक्सलवादी विरोधी अभियान में अपनी शहादत दी है। एक समय था जब देश के 10 प्रांतो में नक्सलवादियों की तूती बोलती थी। इन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर भी हमला कर दिया था। जगदलपुर में तो नक्सलवादियों ने कांग्रेस के कई बड़े नेताओं की हत्या कर सनसनी फैला दी थी।

मगर अब केंद्र सरकार की नीतियों के कारण एक तरफ जहां इन पर दबाव बढ़ा है वहीं उनके प्रभाव वाले क्षेत्रों में सरकार ने विकास की योजनाएं प्रारंभ कर उनका जन समर्थन समाप्त कर दिया है। कई बड़े नक्सली कमांडरो का एनकाउंटर होने के बाद डर कर बड़ी संख्या में नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। जिससे आने वाले समय में नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति व्याप्त होगी। जो सरकार व आमजन की एक बड़ी जीत होगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

उर्दू और हिन्दी

महाराष्ट्र की एक नगर परिषद के साइन बोर्ड. पर उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ता को गंगा-जमुनी तहजीब का पाठ पढ़ाया और उसकी याचिका को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत के इस फैसले का स्वागत किया जाना चाहिए। वास्तव में भाषा को बदनाम करना भारत की विविधता और बहुलतावादी सामाजिक संरचना को कमजोर करता है। अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि भाषा कोई धर्म नहीं है और इसे लोगों को बांटने का कारण नहीं बनना चाहिए। उर्दू कोई विदेशी भाषा नहीं है। इसी धरती पर पैदा हुई है और गंगा-जमुनी तहजीब का प्रतीक है। ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ता को न भाषाओं की समझ है, और न ही उर्दू और हिन्दी के उद्भव और विकास के बारे में कोई जानकारी है। सबसे पहली बात तो यह है कि भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को शामिल किया गया है जिनमें उर्दू भी एक है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड़, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और जम्मू-कश्मीर में उर्दू शासकीय भाषा है। अदालत ने अपनी टिप्पणी में कहा कि हकीकत यह है कि हिन्दी भाषा का इस्तेमाल भी उर्दू शब्दों के बिना अधूरा है। हिन्दी शब्द स्वयं फारसी शब्द 'हिंदवी' से आया है। वास्तव में भाषाएं एक दूसरे को समृद्ध करती हैं। हिन्दी और उर्दू में बहुत सी समानताएं हैं। दोनों खड़ी बोली से विकसित हुई हैं। दोनों के व्याकरण और शब्दावली में काफी समानता है। लेकिन दोनों भाषाओं की लिपियां अलग-अलग हैं। हिन्दी देवनागरी में लिखी जाती है जबकि उर्दू की लिपि अरबी है। अंग्रेजों के समय में हिन्दी और उर्दू का विभाजन धर्म के आधार पर किया गया और दुर्भाग्य यह है कि यह गलतफहमी आज भी मौजूद है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने इस मसले पर फैसला सुनाते हुए बहुंत ही मार्मिक अंदाज में कहा कि 'हमें अपने पूर्वाग्रहों की सच्चाई से टकराने की जरूरत है। आइए, हम उर्दू और हर भाषा से दोस्ती करें।' दरअसल, याचिकाकर्ता का तर्क था कि नगर परिषद का काम केवल मराठी में ही किया जा सकता है और साइन बोर्ड. पर उर्दू का इस्तेमाल गलत है। अदालत ने फैसला देते हुए कहा कि मराठी का उपयोग अनिवार्य है, लेकिन उसके साथ अन्य भाषा के इस्तेमाल पर रोक नहीं है।

चिंतन-मनन

अहंकार से ज्ञान का नाश

अहंकार से मनुष्य की बुद्धि नष्ट हो जाती है। अहंकार से ज्ञान का नाश हो जाता है। अहंकार होने से मनुष्य के सब काम बिगड़ जाते हैं। भगवान कण-कण में व्याप्त है। जहाँ उसे प्रेम से पुकारो वहीं प्रकट हो जाते हैं। भगवान को पाने का उपाय केवल प्रेम ही है। भगवान किसी को सुख-दुख नहीं देता। जो जीव जैसा कर्म करेगा, वैसा उसे फल मिलता है। मनुष्य को हमेशा शुभ कार्य करते रहना चाहिए।

कभी किसी को नहीं सताओ : धर्मशास्त्र के श्रवण, अध्ययन एवं मनन करने से मानव मात्र के मन में एक-दूसरे के प्रति प्रेम, सद्भावना एवं मयार्दा का उदय होता है। हमारे धर्मग्रंथों में जीवमात्र के प्रति दुर्विचारों को पाप कहा है और जो दूसरे का हित करता है, वही सबसे बड़ा धर्म है। हमें कभी किसी को नहीं सताना चाहिए। और सर्व सुख के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

गुप्तदान महादान : मनुष्य को दान देने के लिए प्रचार नहीं करना चाहिए, क्योंकि दान में जो भी वस्तु दी जाए, उसको गुप्त रूप से देना चाहिए। हर मनुष्य को भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति करना चाहिए। जीवन में किसी से कुछ भी माँगो तो छोटा बनकर ही माँगो। जब तक मनुष्य जीवन में शुभ कर्म नहीं करेगा, भगवान का स्मरण नहीं करेगा, तब तक उसे सद्बुद्धि नहीं मिलेगी।

मृत्यु से कोई नहीं बच पाया : धन, मित्र, स्त्रि तथा पृथ्वी के समस्त भोग आदि तो बार-बार मिलते हैं, किन्तु मनुष्य शरीर बार-बार जीव को नहीं मिलता। अतः मनुष्य को कुछ न कुछ सत्कर्म करते रहना चाहिए। मनुष्य वही है, जिसमें विवेक, संयम, दान-शीलता, शील, दया और धर्म में प्रीति हो। संसार में सर्वमान्य यदि कोई है तो वह है मृत्यु। दुनिया में जो जन्मा है, वह एक न एक दिन अवश्य मरेगा। सृष्टि के आदिकाल से लेकर आज तक मृत्यु से कोई भी नहीं बच पाया।

.....जहां पाकिस्तान भारत से हर रोज हारता है!

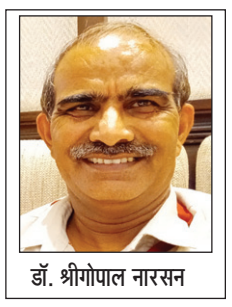

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

भारत -पाकिस्तान की बीच अमृतसर से लाहौर जा रहे राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी-बाघा बॉर्डर दोनों देशों के लिए अपनी अपनी राष्ट्रभक्ति प्रदर्शित करने और प्रत्येक दिन कम से कम एक बार दोनों देशों के सैनिकों द्वारा हाथ मिलाने से मधुरता का न सही एक पड़ोसी देश के साथ औपचारिक रिश्ता जरूर बना हुआ है। भारत मे पाकिस्तान की सीमा को अटारी गांव जोड़ता है,तो पाकिस्तान का बाघा गांव भारत की सीमा से सटा हुआ है।अमृतसर से करीब 30 किलोमीटर दूर अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन दोनों देशों द्वारा सन 1959 में शुरू हुआ था,जो आज तक बदस्तूर जारी है।राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत यह समारोह देश और दुनिया में काफी प्रसिद्ध है।अटारी-बाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन सर्दियों में शाम चार बजे और गर्मियों में शाम 5.15 बजे शुरू होता है। यहां प्रवेश करने का समय 3 बजे शुरू होता है और सीट पहले आओ और पहले पाओ के आधार पर मिलती है। अटारी-बाघा बॉर्डर पर होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह में भारत की सीमा सुरक्षा बल के जवान और पाकिस्तानी रेंजर्स फोर्स एक साथ मिलकर अपनी अपनी सीमाओं में शानदार परेड व शौर्य का प्रदर्शन करते हैं। जिसे देखने के लिए हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक व नागरिक भाग लेते हैं। भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित अटारी-वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान की सीमा के बीच स्थित एक सीमा क्रॉसिंग है। जमीन मार्ग से यहीं से एक दूसरे देश मे आया व जाया जा सकता है। राष्ट्रीय राजमार्ग पर अटारी- वाघा बॉर्डर भारत और पाकिस्तान के बीच एक सीमा रेखा बनी हुई है। जिसे रेडक्लिफ रेखा के नाम से जाना जाता है इस रेखा का नाम ब्रिटिश वकील सर सिरिल रेडक्लिफ के नाम पर रखा गया है, जो देश बंटवारे के समय सीमांकन करने के लिए जिम्मेदार रहा। इस आयोजन के तहत सीमा द्वार बंद करने की सैन्य परंपरा हैं, लेकिन यह एक बेहद कोरियोग्राफ़्ड और लोकप्रिय सार्वजनिक सैन्य प्रदर्शन बन गया है, जो पर्यटकों और स्थानीय लोगों को आकर्षित करता है। वाघा बॉर्डर समारोह ऐतिहासिक संघर्षों और राजनीतिक तनावों के बीच भी भारत और पाकिस्तान के बीच शांति और सहयोग की स्थायी उम्मीद का प्रतीक बना हुआ है। यह भारत के अमृतसर व पाकिस्तान के लाहौर आने वाले आगंतुकों के लिए सांस्कृतिक अनुभव का हिस्सा बन गया है सन1959 से दोनों देश यहां रोजाना झंडा उतारने की रस्म निभाते आ रहे हैं। अगस्त 2017 में भारत ने वाघा बॉर्डर के भारतीय हिस्से अटारी में 110 मीटर ऊंचा झंडा फहराया था। जवाब में पाकिस्तान ने अपनी तरफ 122 मीटर ऊंचा झंडा फहराया। भारत की तरफ वाला झंडा फहराने वाला झंडा देश में सबसे ऊंचा है, जबकि पाकिस्तान की तरफ वाला झंडा दक्षिण एशिया में सबसे ऊंचा माना जाता है।

सन 1947 में देश को स्वतंत्रता मिलने के बाद से ही यह बॉर्डर दोनों देशों के बीच सड़क संपर्क के रूप में काम कर रहा है। यह समारोह 30 मिनट की एक ड्रिल है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज को नीचे करना और सूर्योदय तक दोनों देशों के बीच सीमा को औपचारिक रूप से बंद करना है। इसकी शुरूआत सीमा के दोनों ओर के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विस्तृत परेड से होती है। फिर, सीमा पर लोहे के गेटों को खोलना और दोनों तरफ के राष्ट्रीय झंडों को पूरी तरह से समन्वित आंदोलनों में नीचे करना होता है। झंडों को मोड़ने के बाद, दोनों पक्षों के सैनिक हाथ मिलाते हैं और लोहे के गेट बंद हो जाते हैं, जो समारोह के समापन का संकेत भी है।लेकिन भारत-पाकिस्तान के बीच इस रिट्रीट को देखकर ही सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत हर दृष्टि से पाकिस्तान पर भारी है और रहेगा।रिट्रीट के समय भी भारत की तरफ के दर्शकों की संख्या पाकिस्तान के दर्शकों से कम से कम दस गुणा अधिक होती है,इसी कारण पाकिस्तान की सैन्य व जन आवाज भारतीय सैनिकों व दर्शको के ऊंचे स्वर के बीच दबकर रह जाती है।सैन्य परेड देखकर तो लगता है जैसे पाकिस्तान भारत से हर रोज हार रहा हो।

(लेखक स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता व वरिष्ठ साहित्यकार है) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मुद्दा : तनाव जी का जंजाल

अजय प्रताप तिवारी

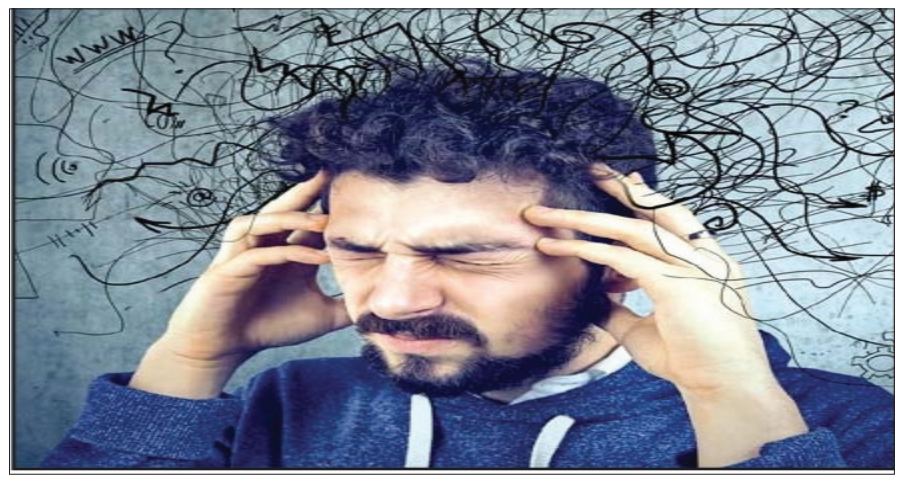

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग मुस्कुराने की कला को ही भूल रहे हैं, जबकि हंसना जीवन का अनिवार्य हिस्सा है। हाल में जारी विश्व खुशहाली रिपोर्ट-2025 में भारत का118वां स्थान है। इसमें भारत के पड़ोसी देशों को भारत से बेहतर बताया गया है। भारत जैसे देश, जहां प्रकृति ने मनुष्यों को खुश रहने के लिए भरपूर अवसर और साधन प्रदान किए हैं, में फिर भी लोग उदासियों का शिकार हो रहे हैं। यह चिंता का विषय है। विश्व खुशहाली के निर्धारित मानक सामाजिक समर्थन, स्वास्थ्य, जीवन प्रत्याशा, प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद, स्वतंत्रता, भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति और उदारता हैं। अधिकांश लोग अपनी जीवनशैली में बदलाव, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सोशल मीडिया और सामाजिक तनाव के कारण मानसिक अस्थिरता के शिकार हो रहे हैं जो उनकी हंसी में बाधक है।

भारत में तनाव बढ़ते का प्रमुख कारण आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुंच, गरीबी और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती घटनाएं हैं। डिजिटल तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने लोगों को सामाजिक रूप से अलग-थलग कर दिया है, जिसकी वजह से वे अकेलेपन के शिकार हो रहे हैं। मानसिक तनाव अब केवल निजी समस्या न रह कर राष्ट्रीय समस्या बनता जा रहा है। युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति के पीछे तनाव और मानसिक अस्थिरता मुख्य कारण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर सातवां व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। एनसीईआरटी के एक अध्ययन के अनुसार, स्कूल स्तर पर पढ़ने वाले 81 फीसद बच्चे परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर तनावग्रस्त रहते हैं।

इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री के एक शोध के अनुसार देश में 62 फीसद युवा डिजिटल दिखावे के चलते तनाव में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। मानसिक रूप से स्वतंत्रता और खुशहाल व्यक्ति के अंदर नये विचार और शोध नवाचार की भावनाएं बढ़ती हैं। मानसिक तनाव और अस्थिर व्यक्ति उपभोग, निवेश और उद्यमिता से दूर हो जाते हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। तनाव और अशांति से घिरा व्यक्ति अपने कार्य को मनोयोग्यता और दक्षता के साथ नहीं कर पाता, जिससे वह जिस भी क्षेत्र में कार्यरत हो, अपने दायित्वों का पूर्ण रूप से निर्वहन नहीं कर पाता। इसके परिणामस्वरूप उद्योग, शिक्षा, प्रशासन और सेवा क्षेत्रों में उत्पादकता घट जाती है।

देश में बढ़ती मानसिक तनाव और उदासी की प्रवृत्तियों के कारण लोग अपराध का रुख अख्तियार कर लेते हैं, जिससे देश में अपराध दर में वृद्धि होती है। यदि लोग अपने देश में संतोषजनक जीवन नहीं जी पाते, तो विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश करते हैं। इससे देश की प्रतिभा का पलायन होता है, और योग्य मानव संसाधन की हानि होती है। ऐसे लोग, जो पूरी तरह से खुशहाल और सामाजिक दबाव से मुक्त नहीं होते, संस्थाओं और नीति-निमार्ताओं पर से विश्वास खो सकते हैं। परिणाम यह होता है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ती है, और जनभागीदारी में कमी आती है। भारत में 50 फीसद से अधिक युवा अपने करियर और निजी जीवन को लेकर तनाव में जीते हैं।

देश में अमीरी और गरीबी की बढ़ती खाई, निर्धनता और बढ़ती महंगाई ने ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तनाव और चिंता की गिरफ्त में ले लिया है। देश तीव्र गति से आर्थिक विकास कर रहा है, और उन्नत तकनीकों के चलते लोगों का जीवन पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सरल हो गया है, फिर भी लोगों में तनाव और असंतोष की प्रवृत्ति क्यों बढ़ रही है? देश की सबसे बड़ी पूंजी देश के नागरिकहोते हैं। जो देश जितना खुशहाल होगा, वह उतनी ही तेजी से उन्नति करेगा। आज जरूरत है सभी देशों को बाजारीकरण की होड़ से बाहर निकल कर अपने नागरिकों के लिए मंथन करने की। आखिर, क्या कारण हैं कि विज्ञान एवं तकनीकी की खोजों ने मनुष्य के जीवन को आसान बनाने के साथ खुशी भी छीन ली हैं। आर्थिक विकास का आधार केवल सकल घरेलू उत्पाद की रैंकिंग नहीं होना चाहिए, बल्कि यह सामाजिक सहयोग, जीवन प्रत्याशा, मानसिक स्वास्थ्य और नागरिकों की आत्मझसंतुष्टि जैसे कारकों पर आधारित होना चाहिए। एक खुशहाल देश में योग्य प्रशासन, रोजगार, अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार से मुक्त कल्याणकारी राष्ट्र बनाने की शक्ति समाहित होती है। खुशहाली इंसानों का जीवन ही बेहतर नहीं बनाती है, बल्कि देश भी समृद्ध होता है। जब देश के सभी नागरिक प्रसन्नता से संपन्न होंगे तभी देश आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विकास संभव हो पाएगा।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Basmati beyond borders: An Indo-Pak story

IN the Asian subcontinent long haunted by the Partition, there are still boundless life forms that resist division. Basmati rice, with its lingering fragrance and centuries-old legacy, is one such wonder. But even this gift of nature — a symbol of shared culture and ecology — is now caught in a territorial battle of sorts. The ongoing Geographical Indication (GI) conflict between India and Pakistan over Basmati is not simply another trade dispute; it is a deeply disturbing one - one that turns even the most sacred gifts of nature and culture — seeds, rice, fragrance and memory — into commodities and property rights caught in legal tangles in the age of globalised commerce.

The conflict between India and Pakistan over the GI tag for Basmati is not just a story of trading rice. It is about how we treat the commons that connect us — whether we see them as treasures to be shared or trophies to be owned.Basmati grows in the monsoon-soaked lands of the Indo-Gangetic plains, Himalayan sub-terai zones and upper Indus river basin. These ecosystems, along with generations of farmers who never enquired about ownership, quietly nurtured it to its current splendour. In Lahore and Lucknow alike, the scent of boiling Basmati evokes a common nostalgia — one that speaks of centuries of culture and care, none of which recognises political boundaries. To claim it as belonging to one nation or one state is to overlook the very soul of this grain.Geographical indications are intellectual property rights (IPRs) used to protect products intrinsically linked to specific regions. In India, this is governed by the GI of Goods (Registration and Protection) Act, 1999. GIs safeguard iconic products like Darjeeling tea, Kanchipuram silk and Kashmir saffron. For Basmati, the GI tag provides market exclusivity and legal protection but it has also fuelled an ownership battle in global markets.

In 2016, India secured a GI for Basmati through its domestic law and applied for Protected GI status in the European Union (EU) in 2018. Pakistan opposed this in 2020, asserting that Basmati is equally part of its cultural and agrarian heritage, cultivated in Punjab and Sindh. It granted Basmati GI recognition domestically in 2021, strengthening its claim.Interestingly, in 2008, both countries were close to submitting a joint application to the EU, identifying 14 districts in Pakistan and seven states in India as traditional Basmati-growing regions. But the 2008 Mumbai attacks derailed this rare attempt at cooperation. Since then, rivalry has replaced dialogue.

The EU has urged both nations to negotiate. But as free trade agreements loom, each side digs in. Australia and New Zealand rejected India's exclusive GI claim, noting that both nations grow Basmati. Nepal also raised objections, citing its own history of aromatic rice cultivation. Meanwhile, legal battles continue, such as in Australia, where India is appealing a ruling that went against its exclusivity claim.Back home, Madhya Pradesh has sought inclusion in India's GI list, claiming 13 districts cultivate aromatic rice akin to Basmati. India's GI Registry rejected this in 2020, stating the region lacked historical cultivation and inclusion could weaken international claims. The case remains unresolved after being referred to the Madras High Court.

Pakistan, meanwhile, expanded its GI claim from 14 to 44 districts — some well beyond traditional Basmati zones. This move for EU acceptance, however, undermines the essence of GI protection: geographical authenticity.At the heart of this battle lies the TRIPS Agreement (Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights), a WTO mandate requiring member countries to offer IPR protection for plant varieties. This agreement paved the way for seeds nurtured over generations to be treated as property — owned, licensed and litigated — raising concerns over farmer rights and biodiversity.Now, enter UPOV — the International Union for the Protection of New Varieties of Plants. Of its versions, UPOV 1978 allows limited farmers' rights while the 1991 revision is more restrictive: it criminalises seed-sharing and grants monopolistic control to breeders, mostly corporations.

Deep tech needs deep investments

It's a pity that India spends less than 1 per cent of its GDP on research & development

THE debate triggered by Commerce and Industry Minister Piyush Goyal's remarks about the focus of Indian startups has revolved around innovation and job creation. He wants startups to work in deep tech areas like artificial intelligence (AI), robotics, electric mobility and global logistics. This is a reasonable expectation, given the government's thrust on the promotion of startups and the opportunities that the vast consumer market of India presents. However, it would be difficult for startups to meet the expectation unless we address the underlying reasons for the situation described by the minister.

Most Indian startups are good at the application and adaptation of new technologies. Very few are engaged in novel technology development or commercialisation or scaling up of technologies and processes developed by Indian entities.Technology development needs an ecosystem of fundamental research, link-ups with universities and a supply of requisite manpower. India did well in technology services because it had an ample supply of engineering manpower and this line of business did not need fundamental research. The country has performed reasonably well in life sciences with a good research system, partnership with academia and trained manpower. Indians working in outsourced R&D centres of foreign companies are developing new products and intellectual property for their parent companies. They can do so because they are backed by investment and are provided necessary tools.

Deep tech areas are driven by cutting-edge discoveries and high-level innovation, which in turn, can come only through deep and sustained investments in basic research and upgrading of universities. It is unrealistic to expect startups to come up with breakthrough innovations while the country spends less than 1 per cent of its GDP on research and development.

Quantum computing, for instance, has been one of the deep tech areas in the spotlight in India for the past couple of years. The government announced the National Quantum Mission (of which quantum computing is a focus area) with a funding of Rs 6,000 crore (about $735 million) up to 2031. It may sound like a big amount, but it pales in comparison with others — China has committed $15 billion of public investment for its quantum technology initiatives.Publication of research papers is another important attribute of fundamental research in any field. The National Natural Science Foundation of China is significantly ahead of its US counterpart in quantum computing research publications. When it comes to patents, IBM, Microsoft and Google as well as specialised quantum companies like D-Wave and Quantinuum hold a large number of quantum computing-related patents. These are the sources of the quantum software stacks that other companies depend on. This could result in 'international dependency' in future due to possible export controls and restrictions, points out a new report on quantum science and technology prepared by the office of the Principal Scientific Advisor (PSA).

Deep tech is already being deployed to address problems in fields ranging from energy to medicine. One example is the combination of AI and high-performance computing (HPC) to hunt for new battery materials. By deploying an AI model developed by Microsoft, scientists at the Pacific Northwest National Laboratory of the US Department of Energy could screen an amazing 32 million potential candidate materials and find a novel material that could slash lithium electrolyte requirement by almost 70 per cent. The breakthrough work was led by material scientist Vijay Murugesan, who did his PhD from Bharathiar University in Tamil Nadu. This is a classic case of how deep tech innovation can address a pressing problem through industry and research institute partnerships. India has had an HPC mission for several years and strong material sciences groups, but we have yet to see such collaboration and outcome.If the minister had cared to look at the draft of the National Deep Tech Startup Policy, prepared by the office of the PSA in 2023, he would have got answers to the questions he posed at the recent startup event. The policy, which still remains on paper, proposed "an increase in gross expenditure on R&D to provide renewed impetus to basic R&D, which would expand the emerging science base for deep tech startups and the critical base of trained scientific human resource."

It also suggested amendments to existing research assessment systems in academic institutes and research labs to enable the translation of knowledge generated into entrepreneurial ventures. This could be done by creating technology commercialisation offices in research labs and providing necessary guidelines. In addition, faculty members need to be given incentives to let them undertake entrepreneurial risks. This way, they can either launch their own artups or transfer the technology to existing ones.Besides enhanced R&D expenditure and industry-academia collaboration, the deep tech development depends on access to critical materials like lithium and rare earth minerals — the global supplies of which are controlled by China. Then there are strategic materials like advanced composites, carbon and ceramic materials that go into the sectors of defence, nuclear, space, aerospace and electronics. Access to such materials is also restricted.Amid the tariff war unleashed by US President Donald Trump, deep tech development will become more challenging for both startups and large corporations in India. We need strong policy initiatives backed by necessary public investments to boost the deep tech innovation system.

Plug the leak

Catch power thieves, cut their freebies

Power theft in Punjab has crossed alarming limits, costing the Punjab State Power Corporation Limited (PSPCL) over Rs 2,000 crore in 2024-25 — a staggering Rs 5.5 crore per day. Even more startling is that this haemorrhaging isn't due to system failures or natural calamities but deliberate pilferage. Nearly 77 per cent of the loss-making feeders are concentrated in the border and west zones, including divisions like Patti, Bhikhiwind, Ajnala and Zira — many of which are notorious for organised theft. From underground kundi connections to meter-tampering and disabling of pillar boxes, theft has become a way of life in some areas, often under the protection or patronage of political and religious entities. The irony is hard to ignore — while people benefit from subsidised or even free electricity up to 600 units, the urge to steal more remains undiminished.But the crisis doesn't end there.

PSPCL is plagued by severe staff shortages, with just 1,313 regular linemen for over 4,900 sanctioned posts. In Ludhiana alone, half the posts for junior engineer lie vacant. Field response is crippled, leading to long outages, delays in rectification and rising public resentment. The overreliance on underpaid, overworked and protest-prone contractual workers only adds to the chaos.

The regulatory commission has flagged this mess, but that alone won't suffice. What is needed is political will. Targeted crackdowns on high-loss feeders, incentives for honest usage, installation of tamper-proof smart meters and a strong recruitment drive are long overdue. There must also be real deterrents. Identified power thieves should not just be penalised but permanently barred from availing themselves of free electricity schemes. Only strict, transparent punishment will shake off this culture of impunity. PSPCL cannot continue to bleed, especially given that Punjab's debt burden is the second highest in the country, with liabilities of Rs 3.78 lakh crore in March 2025.

How festivals have become stages for fear and control

We have now reached a stage where inter-faith expressions of solidarity and celebration within educational institutions provoke hatred and intimidation.

As spring swiftly turns into summer, it is worthwhile to revisit the months gone by for the ideals they have long represented: renewal and new beginnings. World over, spring augurs hope and joy, and the most explicit way to legitimise this spirit is by celebrating festivals. Perhaps, more than any other country, India presents a masterfully diverse vocabulary for such celebration as the events honouring the season are manifold and distinct in style and sensibility. From Basant Panchami to Holi, Baisakhi to Ugadi, Vishu to Eid-al-Fitr and more, the list is a long one. Along with food, festivals define the core of 'Indianness'.And yet, for some time now, there is a disturbing codicil that has come to sully this marker, acting almost out of habit. This is an aggregate of violence and vindictiveness, condescension and control that is commonly observable across the country, where power manifests itself in the ugliest fashion. The festival of Holi arguably presents us with the largest number of negative examples, ranging from inflicting mischief upon members from within the Hindu community to those belonging to other faiths. From until a few decades ago, when one didn't think twice before participating in the joyous madness of colour and water, to the current times, when so many of us have become scared of even stepping out during the season, the jubilant mood of yore has become tarnished.

Women have been at the forefront of such suffering as well as people from non-Hindu faiths. From using stones to semen in water balloons to causing ruckus outside mosques and Muslim homes, the frequency of malicious examples is increasing. Politicians have found it easy to threaten their bodyguards to 'dance', lest the latter get suspended (like Deepak Kumar, a constable-turned-bodyguard from Bihar, who was bullied into the act by his boss, RJD MLA Tej Pratap Yadav).This year's Holi was fraught with added anxiety as it shared the day with the second Friday of Ramadan. To 'allay' communal tensions, the UP Government was prompted to 'cover' 10 mosques with tarpaulins, advising Muslims to stay in.

This took me to my Delhi University days, where, instead of controlling the haywire behaviour of male students during Holi, the onus of responsibility fell on female hostellers, who were instructed by the warden to lock themselves in their hostels.

t is also telling that we have now reached a stage where inter-faith expressions of solidarity and celebration within educational institutions (let alone general society) provoke hatred and intimidation. A few weeks ago, when the principal of a prestigious convent school in Shimla suggested Eid celebrations in customary clothes for nursery and primary class students, numerous parents and Hindu nationalists found it impossible to contain their anger over the perceived 'hurt' and 'sacrilege', forcing the head to withdraw the appeal. This is a country where we are quick to sing praises of our 'inclusivity' when we see a burqa-clad woman taking her son to a fancy-dress competition dressed as a Krishna or Rama. The opposite, however, is something we find hard to digest or even appreciate.It isn't only traditional festivals that have become besmirched by spite. The spirit of celebration spreads across other forums, especially victory events in sports, when the whole country finds instant justification to indulge in Diwali-like festivities. Once again, nasty expressions of power become visible, as was observed in Mhow during India's recent ICC Champions Trophy victory celebrations, where stone-pelting and heated confrontations quickly got the better of a rally march. And on the same day, a man and his sister were harassed, chased and threatened in Faridabad for not participating in the celebrations, with the sister sustaining injuries from fireworks and their car damaged from physical attack.

Popular cinema has occasionally broached this entanglement of power and celebration in subtle ways. In Rakeysh Omprakash Mehra's 2009 film Delhi-6, when low-caste trash collector Jalebi (brilliantly played by Divya Dutta) visits an upper-caste household to make her offerings during the Navrarti aarti, she is stalled from doing so on account of her 'impurity', that too by a house-help (clearly belonging to a 'better' social strata than her). More recently, towards the end of the much-acclaimed film Mrs (2025), directed by Arati Kadav, lead protagonist Richa decides to cut off her relationship with her married family during the birthday celebration of her father-in-law. For, this event marks the culmination of the series of harassments and societal pressures she has been put through, particularly through her confined position as an unacknowledged cook for one and all.

One could find more examples where power-politics connected with festivities forms the fulcrum of countless rituals. For instance, in my maternal homeland of Kangra Valley, the ongoing month of 'Chaitra' is traditionally supposed to be inaugurated only when members of the 'low-caste' community of 'Mangalmukhis' go from house to house, singing songs of yore, invoking gods and legendary figures. The scenes and sounds presented by them are considered auspicious to behold and listen, but the 'Mangalmukhis' themselves are hardly allowed to occupy a central position in the verandahs or courtyards for their performance. For, notwithstanding the 'holiness' of their pursuit, their bodily presence has been kept at bay, often at a corner or an edge of the house, from where they 'must' articulate their role.Given the abandon and allure they signify, festivals and celebrations often go uncritiqued. But surely, there is space for reflection, especially in times like these when religious and communal fault lines are deepening. Amidst the fervour and feasting, there has to be a pause that makes us reconsider who is it that gets to feel 'good' and 'validated', and who is it that faces the brunt of the merriment-turned-misery.

TCS denies job bias against US employees, calls allegations 'misleading': Report

NEW DELHI The US Equal Employment Opportunity Commission (EEOC) is looking into complaints made by American workers against Tata Consultancy Services (TCS), India's largest IT company. The workers say TCS unfairly targeted them for job cuts, based on their race, age and national origin, while protecting Indian employees, reported Bloomberg.Meanwhile, TCS has denied the claims, calling them "misleading" and saying the company has always followed fair hiring practices in the US.

WHAT ARE THE ALLEGATIONS?

The complaints have mostly come from workers in the US who are over 40 and not of non-South Asian ethnic backgrounds. They believe TCS chose them for layoffs during the tech industry slowdown, while keeping younger Indian workers on H-1B visas.These former employees started filing complaints in late 2023. The EEOC, which handles workplace discrimination issues, is now reviewing the claims. However, the EEOC has not publicly confirmed the investigation, as such cases are kept confidential under federal law, said an EEOC spokesperson, quoted the report.

TCS has denied the claims, calling them "misleading" and saying the company has always followed fair hiring practices in the US.

A WIDER ISSUE?

A similar case is being heard in the UK, where three ex-TCS employees told an employment tribunal that they were let go in 2023 based on their age and nationality. TCS has also denied those claims.US Representative Seth Moulton from Massachusetts wrote to the EEOC in April 2024. He asked them to consider launching an investigation, saying the complaints suggest a pattern of discrimination and possible misuse of US visa programmes.

PAST CASES

This isn't the first time an Indian IT company has faced such scrutiny. In 2020, the EEOC found that another major outsourcing firm, Cognizant Technology Solutions Corp., discriminated against non-Indian workers in its US operation. A US jury

later agreed, saying the company had unfairly treated over 2,000 employees between 2013 and 2022. However, Cognizant denies the claims and plans to appeal the decision.These issues have brought more attention to how outsourcing companies use US work visa programmes like the H-1B and L-1A. Some critics argue that these firms take advantage of visa rules to favour foreign workers, often at the cost of hiring locals.Bloomberg reported in February that TCS had widely used L-1A visa, meant for managers, and some former employees claimed it was used to get around H-1B visa rules. TCS has denied these claims.

The EEOC's current chair, Andrea R. Lucas, appointed by former President Trump, has said that stopping discrimination against American workers is a priority.Some of the complaints point to comments made by TCS's head of HR, Milind Lakkad, who reportedly said that TCS was open to hiring Indian professionals on visas in the US who had been let go by tech companies. Lakkad also said 70% of TCS's US staff were American, but the company hoped to lower that figure to 50% to make space for employees from India.

Duty imposed on steel, aluminium on security grounds, not safeguard measures: US to India in WTO

NEW DELHI. The US has informed the global trade body WTO that the decision to impose tariffs on steel and aluminium, was based on national security grounds and should not be considered as safeguard measures, according to a communication.The US shared this response with the World Trade Organisation (WTO) after India requested consultations under the WTO's Safeguards Agreement on April 11 with America.India has said that notwithstanding the USA's characterisation of these measures as security measures, they are in essence safeguard measures. It has also stated that America has failed to notify the WTO Committee on Safeguards under a provision of the Agreement on Safeguards (AoS) on taking a decision to apply safeguard measures.

"The US notes that the premise for India's request for consultations under Article 12.3 of the Agreement on Safeguards is that the tariffs are safeguard measures... The (US) President imposed the tariffs on steel and aluminum pursuant to Section 232, under which the President determined that tariffs are necessary to adjust imports of steel and aluminum articles that threaten to impair the national security of the US," America has said in a communication, dated April 17, to the trade body.

The US also said that Section 232 is a national security statute, and the tariffs are being kept in place under the security exception allowed under a provision of the General Agreement on Tariffs and Trade (GATT) 1994.It added that the tariffs were not imposed under a provision of the Trade Act of 1974, which is the law under which the US imposes safeguard measures."The United States is not maintaining these actions pursuant to the safeguards / emergency action provision... These actions are not safeguard measures and, therefore, there is no basis to conduct consultations under the Agreement on Safeguards with respect to these measures," the US added."Accordingly, India's request for consultations...has no basis in the Agreement on Safeguards," it said adding "nonetheless, we are open to discuss this or any other issue with India."On March 8, 2018, the US promulgated safeguard measures on certain steel and aluminium articles by imposing 25 percent and 10 percent ad valorem tariffs respectively. It came into effect from March 23, 2018.

ISMA lowers sugar production forecast for 2024-25 amid upheaval caused by US tariff

NEW DELHI. The Indian Sugar Bio-Energy and Manufacturers Association (ISMA) has significantly reduced its final forecast for sugar production in the sugar year 2024-25, compared to previous projections.ISMA now estimates that total sugar production will be 254.97 lakh metric tonnes (LMT), which is a decrease of almost 10 LMT from last month's projection. At the start of the sugar crushing season, the industry body had initially predicted around 280 LMT of sugar production. This higher estimate led the government to permit exports of 10 LMT.This newspaper earlier reported that this year sugar output would be reduced by over 60 LMT.

The earlier estimation of reduced production, along with the government's decision to allow sugar exports, has caused some concerns among policymakers. Additionally, the imposition of tariffs by the United States has resulted in turmoil in the global market and a crash in crude oil prices. This has reduced demand in the ethanol blending market, where sugar syrup is a key component.

Experts suggest that, given these recent developments, the decreasing sugar market prices may render Indian sugar uncompetitive in the international market.Meanwhile, ISMA gave optimistic outlook for the 2025-26 Sugar season due to positive forecast of southwest monsoon by both Indian Meteorological Department and private weather agency Skymet.Favourable monsoon forecast would encourage better sugarcane planting for the 2025–26 states like Maharashtra and Karnataka."A favorable agro-climatic environment, supporting a healthy sugarcane crop and robust production potential for the 2025–26 season. The crushing season is anticipated to begin as per schedule in October 2025, ensuring adequate supply position," it said.

Index innovation redefining the way Indians can invest: ICICI Pru expert

Kolkata. While the broad-based indices have captured the attention of the average Indian investor for years, the investment canvas is changing radically with the emergency of new indices, which are enabling investors to pick sectors and themes and sharp focus their money in such sectors. Through curated stock baskets these indices are helping Indian investors to mature very fast and take calculated risks to enhance their portfolio.Against this backdrop, chief marketing and digital business officer of ICICI Prudential AMC Abhijit Shah told News9live how investors can gain from the index revolution in the market. "The index choices are particularly empowering for retail investors," he remarked. Read on.Has the role of indexes gone beyond the traditional role of market barometer?

Ans: For decades, the Nifty 50 has been the trusted market barometer for Indian investors—a dependable gauge of economic sentiment and a symbolic pulse of corporate India. But in today's evolving investment landscape, it's no longer the only game in town. A new generation of indices is emerging, each offering targeted access to specific sectors, themes, and megatrends shaping the country's economic future.This surge in index innovation is redefining the way Indians can invest. What we are witnessing is the evolution of market barometers, with a growing family of indices that reflect not just broad-based market movements, but the dynamic undercurrents of a transforming economy.

New builder must stick to old GST rate for ongoing housing projects, rules Maharashtra AAR

NEW DELHI. The Maharashtra Authority for Advance Ruling (AAR) has said that when a new builder takes over an under-construction housing project, they must follow the same GST rate that the previous builder (old promoter) had chosen.Hearing an application by Godrej Residency Private Limited (GRPL), the Maharashtra AAR has said that Godrej Residency must continue levying Goods and Services Tax (GST) at an effective rate of 12% on all sales—including new and existing buyers—in a residential project it acquired from Neelkamal Realtors Towers Pvt Ltd.The ruling clarifies that GST rates for real estate projects are tied to the project itself, not the promoter, preventing Godrej Residency from switching to a lower 5% rate for new customers.he dispute arose after Godrej Residency acquired the stalled "One Mahalaxmi" project in Mumbai's Vikhroli area through a December 2022 conveyance deed. The original promoter, Neelkamal Realtors, had opted in 2019 to pay GST at 18% (12% effective rate after one-third land value abatement) with

input tax credit (ITC). GRPL sought to bifurcate rates—12% for existing buyers and 5% (without ITC) for new buyers—arguing the one-time GST option was promoter-specific.

However, the Maharashtra AAR emphasised that the 2019 notification's one-time option is irrevocable and project-centric. Citing CBIC guidelines and a Kerala AAR precedent, it ruled that ongoing projects retain their GST classification even if promoters change. The authority noted the project met all "ongoing" criteria - commencement before 31 March 2019, partial bookings by that date, and no completion certificate.

The decision bars GRPL from adopting dual rates, ensuring ITC continuity for all buyers. It also highlights that unutilised ITC from Neelkamal Realtors remains non-transferable, requiring GRPL to manage compliance under the existing framework.

Prior to 1 April 2019, builders were allowed to charge 12% GST on under-construction flats with the benefit of input tax credit (ITC). However, a new GST provision introduced on 1 April 2019, offered a lower 5% GST rate for residential flats but without ITC. For ongoing projects, builders were given a one-time option to either continue with the 12% rate with ITC or switch to the 5% rate without ITC. In this case, the previous builder had opted for the 12% GST rate with ITC.Sandeep Sehgal, partner, Tax, AKM Global, a tax and consulting firm states, says the AAR ruling on one hand helps in keeping the taxation consistent but at the same time, this reduces the flexibility for the new builder. "Hence, anyone taking over an under-construction project needs to factor in this ambiguity, which should be clarified for the benefit of the industry," he says.

Can you open two PPF accounts Check details

NEW DELHI. The Public Provident Fund, or PPF, is one of the most popular savings options among Indians. Not only does it provide secure returns but also tax benefits, thus making it a wise decision for long-term goals such as retirement or your child's future. But can you have more than one PPF account? Let's know about the same in this article.

ONE PERSON, ONE ACCOUNT

According to government regulations, you can have only a single PPF account in your own name. Whether you go to various post offices or banks, you can't open multiple PPF accounts in your own name. If you do, the extra accounts will be considered invalid.

Any money you put in the second account will be returned, but you won't get any interest on it.

CAN YOU OPEN PPF ACCOUNTS FOR CHILDREN?

While you can't open more than one account for yourself, you can open a PPF account for your minor child. In this case, you'll be the guardian of the account.But there's a small rule to keep in mind. The combined yearly deposit in both your account and your child's account cannot go beyond Rs 1.5 lakh.For example, if you put Rs 1 lakh in your own PPF account in a year, you can only deposit Rs 50,000 in your child's PPF account during that same year.

NO JOINT ACCOUNTS

PPF accounts are strictly individual. That means you can't open a joint account with your spouse or anyone else—not even with a minor. Even for a child's PPF account, there will be just one name: the minor, with a guardian.

WHAT TO DO IF OPENED A SECOND ACCOUNT BY MISTAKE?

If you've somehow ended up opening two PPF accounts by accident, don't panic—but do act fast. Inform the bank, post office, or the Finance Ministry as soon as possible. They'll usually close the second account, and give you back the money you deposited. But remember—you won't earn any interest on that amount.

Centre responds to start-up woes; simplifies GST registration process

MUMBAI. After Commerce Minister Piyush Goyal's recent criticism of Indian start-ups for not innovating enough and sticking to the grocery delivery business, several entrepreneurs and businesses had countered this criticism by detailing how difficult it is to do business in India. One of the most common angsts was the difficulty in getting a GST registration done.The government, it seems, has taken the feedback positively and decided to ease the process of obtaining GST registration. In an instruction issued to its officers, the Central Board of Indirect Taxes and Customs (CBIC) has asked them to strictly adhere to the prescribed list of documents required in registration application form.Requisite documents in specific cases to be uploaded with registration application form have also been delineated in the instructions, it said in a statement issued to the media."Officers have been directed not to issue notices based on presumptive grounds, minor discrepancies, or for additional documents that are not essential for processing applications," reads the instruction issued by CBIC.Officers have also been directed to seek approval of the concerned Deputy/Assistant Commissioner in cases where documents apart from the listed documents are required to be sought.The Zonal Principal Chief Commissioner/Chief Commissioners have been advised to devise mechanisms to closely monitor and issue suitable trade notices, wherever required. The CBIC has assured that strict action would be taken against the officers deviating from these instructions.

According to Rajat Mohan, senior partner in chartered accountancy firm AMRG & Associates, instruction issued by CBIC is a much-needed reform that decisively addresses the practical challenges faced by genuine applicants in obtaining GST registration.

Gensol saga: How Jaggi brothers squandered borrowed money, killed BluSmart

NEW DELHI BluSmart was seen as one of the few startups that actually kept its promises, at least to its riders. A cab always showed up. It was electric. It was clean with a courteous driver. And it was on time. For a while, it looked like the poster child for India's EV mobility dream.But behind the smooth rides and sleek PR, something was quietly breaking down. And no, it wasn't the battery.Sebi's (Securities and Exchange Board of India) interim order exposed how the Jaggi brothers may have taken investors for a ride, not in an EV, but in a web of financial mismanagement.Gensol Engineering, a company they controlled, appears to have bled BluSmart dry, eventually forcing it to pull the plug on its operations.

Sebi, in its interim order released on April 15, pointed to several serious problems in how Gensol was run. The findings included misuse of borrowed money for personal use, poor financial controls, and complete failure in following proper business practices.Let's look at how BluSmart rose quickly and then came crashing down.BluSmart Mobility started in January 2019 in Gurugram. It was founded by Anmol Singh, Punit K Goyal, and Puneet Singh Jaggi. The company got off to a good start with Rs 3 million in angel funding from big names like Hero MotoCorp, Jito Angel Network, Micromax, and the office of actor Deepika Padukone.Over the next few years, BluSmart launched services like hourly rentals and in-app wallets. In 2021, it tied up with Tata Motors and Jio-BP to grow its EV fleet and charging stations.

In 2022 and 2023, the company raised large amounts of money. It received Rs 25 million in May 2022 and Rs 42 million in May 2023. A large part of the 2023 round came from its founders. Mayfield India, a venture capital fund, exited around the same time, selling its stake for Rs 32 crore to CEO Jaggi.The startup kept expanding, even launching operations in Bengaluru in 2022. By September 2023, it had 5,000 EVs and 3,900 charging stations. It claimed to have crossed an annual revenue run rate of Rs 400 crore. In January 2024, it raised Rs 25 million more from a Swiss climate finance firm, ResponsAbility, to build EV charging infrastructure.By February 2024, BluSmart announced plans to use solar energy from Tata Power for its 6,000 electric cabs. Just two months later, in April, the company reported revenue of Rs 390 crore for FY24, up from Rs 160 crore the previous year. In July, it raised another Rs 200 crore.Things started to change in March 2025 when reports said

that Uber was in early talks to acquire BluSmart. This was around the same time that Gensol Engineering, the EV supplier and leasing partner to BluSmart, began facing money problems.

SEBI UNCOVERS MISUSE OF FUNDS AT GENSOL

On April 15, 2025, Sebi released a detailed interim order showing what went wrong at Gensol. The order said the promoters of Gensol, including Anmol and Puneet Singh Jaggi, had treated the company like their personal 'piggy bank'. There were no proper financial controls in place, and the promoters had diverted loan money to themselves or related entities.

The loans, worth Rs 978 crore, were taken from government organisations like IREDA and PFC. These loans were supposed to be used for buying EVs. Instead, over Rs 200 crore was routed through a car dealership and sent to other companies linked to the promoters. Some of the money was used for luxury purchases, including flats in DLF Camellias, where the price of a single apartment starts at Rs 70 crore.

Sebi said these wrongdoings could lead to major financial losses for shareholders. Because of the fund misuse, even Gensol's proposed stock split was put on hold.In response, Gensol said it had received Sebi's order and would follow the directions. It confirmed that the two Jaggi brothers were no longer part of the company's management. Anmol Singh Jaggi and Puneet Singh Jaggi stepped down from their roles, and Arun Menon resigned as Independent Director the next day, sighting debt position of the company.

JNUSU polls: ABVP disrupts election process amid cracks in Left alliance

NEW DELHI. The Birsa Ambedkar Phule Students' Association (BAPSA), the student organisation which had secured a central panel seat in the JNU students' union last year joined hands with two other Leftist student bodies on the campus -- the SFI and PSA -- on Thursday while the AISA forged an alliance with the DSF.

Over 160 nominations for the four central panel posts have been filed while 250 students have filed nominations for school counselor positions across 16 schools.

According to the election committee, 48 nominations were received for the post of president, 41 for vice president, 42 for general secretary, and 34 for joint secretary. In total, 165 candidates are in the fray for the JNU students' union central panel.Soon after the university election committee released the final list of candidates, the student organisations released their panels as well.The Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) has announces its candidates: naming Shika Swaraj for

President, Nittu Gautam for Vice-President, Kunal Rai for General Secretary, and Vaibhav Meena as Joint Secretary candidate.Further, the ABVP has also announced its candidates for the 42 Councillor posts across 16 schools and specialised centres giving priority to female representatives. ABVP will approach JNU students with issues such as improving campus infrastructure, ensuring women safety, affordable and quality education and creating a responsive students' union, a student leader said.Meanwhile, many organisations could not decide their list of candidates as the withdrawal process could not be completed on Thursday, due to the alleged intervention of ABVP.

SFI president Sooraj Elamon said, "ABVP disrupted the entire process. We were contesting for the post of President but the other organisations which were in alliance with us could not decide their candidates. We have been protesting and demanding the administration to open the withdrawal window and give us more time."

The SFI-BAPSA-PSA alliance could not release their candidates' list for the central panel. The AISA-DSF too condemned the alleged violence by ABVP at the election office during withdrawal of nominations.

"ABVP members stormed into the EC office, broke glass panes, dismantled barricades, and created a ruckus that disrupted the functioning of the commission," an AISA leader said.

Focus on own minorities: India slams Bangladesh over Bengal riots remark

New Delhi. India has strongly rejected remarks by Bangladesh over the violence in West Bengal due to the Waqf law, terming them "disingenuous" and an attempt to divert attention from the persecution of minorities in Bangladesh.On Thursday, Bangladesh chief adviser Muhammad Yunus's press secretary called on Indian authorities to protect minority Muslim communities affected by the violence that broke out in Bengal's Murshidabad district last week, killing three people and injuring hundreds.

Rejecting Bangladesh's remarks, Ministry of External Affairs (MEA) spokesperson Randhir Jaiswal asked Dhaka to focus on protecting the rights of its own minorities rather than making "unwarranted" comments.

"We reject the remarks made by the Bangladeshi side with regard to the incidents in West Bengal. This is a barely disguised and disingenuous attempt to draw a parallel with India's concerns over the ongoing persecution of minorities in Bangladesh where the criminal perpetrators of such acts continue to roam free," Jaiswal said.

"Instead of making unwarranted comments and indulging in virtue signalling, Bangladesh would do better to focus on protecting the rights of its own minorities," the MEA spokesperson further said.

MINORITIES TARGETED IN BANGLADESH

The situation in Bangladesh has been volatile since the ouster of former Prime Minister Sheikh Hasina last year. There have been multiple attacks on Hindus and minorities in Bangladesh by radical Islamists. Around 200 temples have been vandalised and priests have been arrested.

India has frequently raised concerns at various diplomatic levels about the condition of Hindus and other minorities in Bangladesh.

Weekend rain, storm may bring Delhi respite from heat

NEW DELHI. The capital continued to reel under hot conditions on Thursday, with maximum temperatures hovering above 40°C across most parts of the city. Safdarjung recorded a high of 40.6°C, 3.8°C above normal, while the minimum settled at 25.7°C, 4.1°C higher than average.

No rainfall was recorded in past 24 hours, and humidity ranged from 28% to 56%, intensifying daytime discomfort.According to the Met office, the city is likely to witness some relief on Friday as strong surface winds, up to 30 kmph and gusting to 40 kmph, are expected to bring marginal respite.

Temperatures are likely to range between 38°C and 40°C.

By Saturday, weather may become more unstable.IMD predicts partly to generally cloudy skies, very light rain or drizzle, and thunderstorms accompanied by gusty winds reaching 50 kmph. This is expected to bring down the mercury to a maximum of 36–38°C.

JNU professor sacked over charges of sexually harassing Japanese embassy official

NEW DELHI. A senior faculty member of the Jawaharlal Nehru University (JNU) here has been dismissed over charges of sexual harassment involving a Japanese embassy official.The alleged incident took place a few months ago during a university event, according to JNU sources. University officials confirmed that this was not an isolated case and several complaints against the professor had been received in the past.

"This administration is committed to a zero-tolerance policy towards sexual predators, rent seekers and corrupt staff," JNU Vice-Chancellor Santishree Dhulipudi Pandit told PTI.

She said the dismissal reflects the university's firm stance on campus safety and accountability.The decision was

taken by the university's Executive Council -- its highest statutory body -- after a detailed internal inquiry.The victim, who was working at the Japanese embassy here, was allegedly molested by the faculty member during a university event. She returned to Japan and filed a formal complaint.The matter was brought to the attention of the Indian Embassy through diplomatic channels and subsequently referred to the Ministry of External Affairs and the university.The Internal Complaints Committee (ICC) found the charges to be credible. The Executive Council then recommended termination without any benefits.

Sources said the accused has the right to appeal before the university's appellate committee or approach the court.

Meanwhile, another faculty member from the Environmental Science Department was dismissed over corruption charges in a research project. The case has been referred to the Central Bureau of Investigation (CBI).Two non-teaching staff members have also been terminated following a fact-finding committee's report on the research project.In other cases, faculty members have faced penalties including withholding of increments, censure, and mandatory sensitisation training.

MCD says will clean 800 drains to remove silt before monsoon season

The civic agency has targeted to clear nearly 800 drains measuring 531 kilometres' length coming under its jurisdiction.

NEW DELHI. Aiming to ensure smooth flow of rain water during the monsoon season, Municipal Corporation of Delhi (MCD) has claimed to intensify its measures to clean the drains.The civic agency has targeted to clear nearly 800 drains measuring 531 kilometres' length coming under its jurisdiction. The MCD has targeted to remove nearly 2.14 lakh metric tonnes of silt from all 12 zones. To execute the action plan before June 15, MCD Commissioner took a meeting of concerned departments on Thursday.

In South zone, the MCD has aimed to clean 71 drains with a total length of 45.95 kilometres, 65 drains with a total length of 50.70 kilometres in Central zone, 133 drains with a total length of 83.44 kilometres in West zone, 120 drains with a total length of 107.58 kilometres in Najafgarh zone, 115 drains with a total length of 65.22 kilometres in Shahdra North zone and 108 drains with a total length of 60.53 kilometres in Shahdra South zone.

Similarly, it will remove silt from 10 drains with a total length of 5.21 kilometres in City SP zone, 32 drains with a total length of 23.39 kilometres in Karol Bagh zone, 16 drains with a total length of 6.94 kilometres kilometers in Civil Lines zone, 39 drains with a total length of 24.01 kilometres in Keshavpuram zone, 50 drains with a total length of 28.97 kilometres in Rohini zone and 41 drains with a total length of 28.79 kilometres in Narela zone. The Corporation has aimed to spend a total of Rs 36 crore for desilting works.

CM Rekha Gupta had, on March 17, said that the government is working with full seriousness to ensure residents do not face waterlogging during the monsoon. The CM had made the statement after carrying out an inspection of six major drains in the city along with LG V K Saxena and PWD Minister Parvesh Sahib Singh.

Delhi Metro trial runs continue between Majlis Park and Jagatpur village under Phase-IV

NEW DELHI. Delhi Metro's construction work for the priority corridors of Phase IV is making steady progress. Overall, more than 70% civil work has already been completed in the three corridors.

Among these, about 4.6 kilometer long stretch between Majlis Park and Jagatpur Village is now almost complete. Initial trial runs were commenced on this section in late December last year.This section, comprising three additional stations – Burari, Jharoda Majra and Jagatpur Village will be opened after obtaining all the mandatory statutory approvals and certifications.

Phase IV's first ever stretch from Janakpuri West to Krishna Park Extension was opened for passenger services on January 5, this year. The foundation stone for the construction of the much-awaited Rithala – Kundli Metro corridor of Phase IV was also laid on the same day.In total, DMRC is constructing about 112 kilometres of new Metro lines as part of its Phase IV

expansion across the national capital. In the last two months, DMRC has achieved three significant tunnel breakthroughs on the Aerocity–Tughlakabad corridor.

Regarding delays in the project, DMRC had earlier explained that despite beginning Phase IV in December 2019, the project faced significant delays from 2020 to 2022 due to the COVID-19 pandemic and challenges in obtaining tree-cutting permissions.

The DMRC noted that substantial work on the project has been ongoing for the last one and a half to two years, aiming for completion by 2026."DMRC aims to significantly enhanc the public transport infrastructure in the national capital, making daily commuting more conveneince and accessible for millions of residents," read the statement.

Teen stabbed to death in Delhi, protesting locals seek 'Yogi model' justice

New Delhi. A 17-year-old boy was stabbed to death late on Thursday in Delhi's Seelampur area by Muslim men allegedly due to an old enmity. Police said the suspects were known to the victim and from another community. A case of murder has been registered, and CCTV footage is being examined to identify the accused. They are also trying to confirm whether the attackers are minors or adults.The incident sparked unrest in the locality with locals blocking a road as they continued their protest over the murder of the teen, even as police officials remained present at the scene. Protesters have gathered on roads seeking "justice through Yogi Adityanath model" as they say that the Hindu community is not safe in this area.

Residents put up posters outside their homes reading 'Hindu exodus', and appealing for help from Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath and Delhi Chief Minister Rekha Gupta. The posters also carry messages like "Yogi ji, help us" and "This house is for sale."

They have also put a poster saying bulldozer action is needed in Seelampur. There is heavy deployment of police and central forces in this area as people have blocked the road demanding early arrest of the accused.Delhi Chief Minister Rekha Gupta reacted to the news and assured "no stone will be left unturned" to deliver justice to the family.The Chief Minister confirmed that she had spoken to the Police Commissioner regarding the murder and the names of the accused have come to light. "The police are doing their job, and justice will be delivered to the family. No stone will be left unturned," she assured, adding that the police are actively investigating the case.

According to a statement by Delhi Police, "A 17-year-old boy was stabbed in the Seelampur area. The victim was taken to the hospital, where he succumbed during treatment. A case has been registered at PS Seelampur, and teams have been deployed to identify and arrest the culprit. Investigation is underway."

Sukhvinder Sukhu defiant amid National Herald ads row, BJP takes arrogance dig

Sukhvinder Sukhu's statement came on the heels of the Enforcement Directorate (ED) filing a chargesheet against Congress leaders Sonia Gandhi and Rahul Gandhi in connection with the alleged National Herald money laundering case.

NEW DELHI. Himachal Pradesh Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu recently reaffirmed the state government's stance on its advertisements to National Herald, a newspaper linked to the Congress party, amidst growing controversy. When questioned by the media, Sukhu firmly stated, "National Herald is our newspaper, and we will continue giving advertisements to it."BJP MP Anurag Thakur attacked the chief minister for his remarks and questioned whether any Congress leader even read the newspaper, further asking why taxpayer money was being used instead of personal funds.

"How can an elected chief minister allow this?" Thakur asked. He also accused the Congress leadership of repeated wrongdoings, saying, "First theft, then arrogance."

He further alleged that shares were given to Sonia Gandhi and Rahul Gandhi in the paper, calling it "the Congress model of corruption".Thakur also questioned the Himachal Pradesh government's financial dealings, saying, "Since their government came to power, crores of rupees have been given to the National Herald. Does the Himachal government care about this paper? They should pay from their own pockets instead of using taxpayer money."

He demanded transparency from the Congress, saying, "Which states are Congress governments taking advertisements from? This should be made clear.

Even though Congress governments are failing, they continue to fund this paper with advertisements."

Sukhvinder Sukhu's statement came on the heels of the Enforcement Directorate (ED) filing a chargesheet against Congress leaders Sonia Gandhi and Rahul Gandhi in connection with the alleged National Herald money laundering case.

The chargesheet has accused the Gandhis of orchestrating a "criminal conspiracy" to take control of assets worth Rs 2,000 crore belonging to Associated Journals Ltd (AJL), the publisher of the National Herald.According to the ED, the Gandhis were involved in a scheme to transfer 99 per cent of AJL's shares to a private entity, Young Indian, for a mere Rs 50 lakh.This acquisition allegedly enabled the Gandhis to control the properties of National Herald, leading to claims of financial misconduct. Other Congress figures, including Sam Pitroda and Suman Dubey, have also been named in the chargesheet as part of the alleged conspiracy."Whenever we bring up the issue of National Herald, it sends shockwaves through the entire Congress party ecosystem. It's no surprise that they're rattled-they've once again been caught red-handed in a scandal. If you look at the history of the Congress party, a pattern emerges, with several major scams surfacing since Independence. This is just another example of their consistent corruption," Anurag Thakur said.

NEWS BOX

Bangladesh seeks Pak's apology for 1971 atrocities during 1st talks in 15 years

world. Bangladesh has demanded a formal public apology for the "atrocities" committed by Pakistan during the 1971 Liberation War and raised pending financial claims during the first Foreign Office Consultations (FOC) meeting in 15 years. The talks come as Bangladesh, under interim chief Muhammad Yunus, seeks to repair ties with Pakistan that reached its lowest ebb during the Sheikh Hasina regime.While foreign secretary Amna Baloch led the Pakistani delegation, foreign secretary Md Jashim Uddin represented Bangladesh.Bangladesh has also sought $4.52 billion from Pakistan as part of its share of pre-1971 assets. After the 1971 war, East Pakistan split from West Pakistan to form an independent Bangladesh."These issues need to be resolved to establish a solid foundation for our bilateral relations," Md Jashim Uddin told reporters.

Bangladesh and Pakistan are trying to rebuild their strategic ties after one-and-a-half decades to remain engaged on pending issues.When asked about Pakistan's response during the discussions, the foreign secretary said they assured Bangladesh of their continued engagement. "They expressed their interest in remaining engaged. Our objective was to raise the key issues," he noted.

Indian-Origin Doctor Convicted In Health Care Fraud Conspiracies In US

New York. An Indian-descent doctor has been convicted of participating in a $2.3 million conspiracy to illegally distribute controlled substances and of healthcare fraud, according to the US Justice Department.Neil Anand, 48, was also convicted of money laundering on Tuesday in a federal court in Pennsylvania, the department said on Wednesday.In the conspiracy to illegally distribute drugs, he issued pre-signed medical prescriptions for oxycodone that were used by interns to enable just nine patients collect 20,850 tablets, it said.

Oxycodone is an opioid painkiller that can be highly addictive and is one of the substances behind the drug epidemic sweeping the US.Anand also issued "medically unnecessary prescription medications" in what prosecutors called "Goody Bags" through pharmacies he owned if they wanted to get the controlled drugs, and billed health insurance companies and government insurance plans for the unneeded medicines.The insurance companies and plans paid $2.3 million for the medicines in the "Goody Bags", the prosecutors said.

When Anand became aware of the investigation, he transferred about $1.2 million to an account in his father's name and for the benefit of his minor daughter, to conceal the proceeds from the fraud, according to the prosecutors.One of the government lawyers who prosecuted him was Arun Bodapati, who works in the Justice Department's Criminal Division's Fraud Section.Anand is scheduled to be sentenced in August.He was originally charged in 2019 with four others, three of whom were described as medical graduates of foreign universities without licence to practice medicine in the US.On December 14, 2017, an Indian-American doctor was arrested on 39 charges of unlawful distribution of prescription opioids and healthcare fraud, officials said.

Harvard: University Of Presidents, Tech Titans, Trump Allies

Washington. The latest target of President Donald Trump's ire, Harvard has long been viewed as among the world's best universities, producing future presidents, Nobel laureates, tech stars -- and Trump allies.The famed seat of learning in Massachusetts is "a JOKE, teaches Hate and Stupidity, and should no longer receive Federal Funds," Trump wrote on his Truth Social platform Wednesday, after it defied his administration's lists of demands.

- Trump's world

Harvard University has long been considered by US conservatives as being a left-wing bastion, but has nevertheless educated some of Trump's closest allies.

They include his son-in-law Jared Kushner, who reportedly gained admittance to the university thanks to his family's fortune.Kushner was a top aide throughout Trump's first term but -- like his wife Ivanka -- has not returned this time around.Ivanka Trump and her father both attended another Ivy League institution, the University of Pennsylvania.Stephen Miran, chairman of the White House Council of Economic Advisers and an alleged mastermind of Trump's current trade offensive, also graduated from Harvard, as did Health Secretary Robert F. Kennedy Jr.Conservative political pundit Ben Shapiro, a staunch Trump supporter, graduated from Harvard's law school.In Congress, according to an AFP count, 15 Republican lawmakers have Harvard on their CVs -- which is about a third of the Democratic contingent.

- Tech geniuses and stars -

Facebook founder Mark Zuckerberg, who has courted the president with frequent visits and notable changes to corporate policies since his re-election, famously dropped out of Harvard before graduating -- as did Microsoft co-founder Bill Gates decades earlier.Both tech giants were given honorary degrees after their companies saw skyrocketing success.Some powerful women in the American tech sector also passed through Harvard, including former YouTube chief Susan Wojcicki, who died in mid-2024, and the former number two of Facebook Sheryl Sandberg.

Harvard's alumni also includes several stars, including actress Natalie Portman, novelist Margaret Atwood and film director Terrence Malick.

- Presidents and Nobel laureates -

Top of the Academic Ranking of World Universities in Shanghai for years, Harvard has churned out 162 Nobel laureates, of all kinds.

Inside Cambridge's elite brothel scandal that got Indian-origin CEO trapped

world. Tucked inside a sleek high-rise condo complex in Cambridge, Massachusetts, in the US, advertised for its "unrivalled city views" and a stone's throw from Harvard University — an elite brothel quietly operated from a luxury apartment. At first glance, the location suggested power and prestige. Inside, it was another world: curated lighting and lavish decor, catering to a wealthy clientele that was carefully screened before entry, according to a report by The Wall Street Journal. On offer was a "girlfriend experience".aClients weren't walk-ins. The place worked like an invitation-only organisation. They had to apply to gain access, they submitted work IDs, company badges, and personal references — some even from other high-end brothels. The price of each visit could run up to $600 per hour. The brothel, prosecutors say, was designed to serve "rich and powerful men" who were into medicine, biotech, law, business and politics.The operators rented luxury apartments to use as brothels in Watertown and Cambridge, Massachusetts, and Tysons and Fairfax, Virginia, prosecutors said, according to a report by the Associated Press.In Massachusetts, the fallout has been swift and public.

"They chose these locations because they were trying to attract rich and powerful men who wanted to buy sex," Leah Foley, US attorney for the District of Massachusetts told WSJ.The trial is now popular as the Cambridge Brothel Hearings.

UNSEALED NAMES, EXCLUSIVE 'GIRLFRIEND EXPERIENCE'

Many fought to keep their names sealed, citing reputational damage and "embarrassing collateral consequences". But the Massachusetts Court ruled the proceedings should be public.Han Lee, the 42-year-old madam at the centre of it all, was sentenced to four years in prison in March after pleading guilty to conspiracy to induce prostitution and money

laundering.A former sex worker herself, Lee had built the operation with clockwork precision — vetting clients for safety and to avoid law enforcement, her attorney said.

She allowed women to refuse clients or services and kept less than half of their earnings. The court ordered her to forfeit $5.5 million in profits.

One of the men caught in the scandal is Gradiant's Indian-origin CEO, Anurag Bajpayee.Bajpayee is the CEO of Gradiant, a top wastewater treatment firm, and was arrested during a prostitution sting in early 2025. His name has now been made public after he lost a case seeking anonymity in the case.Lucknow-born Bajpayee was a top-notch student who graduated from the Massachusetts Institute of Technology (MIT) and built Gradiant, a global powerhouse, now valued at over $1 billion. Gradiant has defended Bajpayee.

INVESTIGATORSSAY SURPRISED BY BROTHEL'S EXCLUSIVITY

Former detectives told The Wall Street Journal they were struck by the brothel's exclusivity, especially by how many highly educated professionals were willing to hand over sensitive personal information.

One of them, authorities allege, was 56-year-old Jonathan Lanfear, CEO of HiberCell, a biotech company developing cutting-edge cancer therapies.Police told WSJ they recovered a trove of Lanfear's personal documents from the brothel's phone, including a photo of his Takeda Pharmaceuticals work ID (where he was previously employed), his driving licence, credit card, and even a selfie.

Donald Trump Continues Attacks On Universities, Calls Harvard "A Disgrace"

Berkeley. Hundreds of students, faculty and community members on a California campus booed on Thursday as speakers accused the administration of President Donald Trump of undermining American universities, as he questioned whether Harvard and others deserve tax-exempt status.The protest on the University of California's Berkeley campus was among events dubbed "Rally for the Right to Learn!" planned across the country. The administration has rebuked American universities over their handling of pro-Palestinian student protests that roiled campuses from Columbia in New York to Berkeley last year, following the 2023 Hamas-led attack inside Israel and the subsequent Israeli attacks on Gaza.

Trump has called the protests anti-American and antisemitic and accused universities of peddling Marxism and "radical left" ideology. On Thursday, he called Harvard, an institution he criticized repeatedly this week, "a disgrace," and also criticized others.

Asked about reports the Internal Revenue Service was planning to remove Harvard's tax-exempt status, Trump told reporters at the White House he did not think a final ruling had been made, and indicated other schools were under scrutiny.Trump had said in a social media post on Tuesday he was mulling whether to seek to end Harvard's tax-exempt status if it continued pushing what he called "political, ideological,

and terrorist inspired/supporting 'Sickness?""I'm not involved in it," he said, saying the matter was being handled by lawyers. "I read about it just like you did, but tax-exempt status, I mean, it's a privilege. It's really a privilege, and it's been abused by a lot more than Harvard.""When you take a look whether it's Columbia, Harvard, Princeton, I don't know what's going on, but when you see how badly they've acted and in other ways also. So we'll, we'll be looking at it very strongly." At Berkeley on Thursday, protesters raised signs proclaiming "Education is a public good!" and "Hands off our free speech!" Robert Reich, a public policy professor, compared the responses of Harvard and Columbia to demands from the administration that they take such steps as ending diversity, equity and inclusion programs and putting academic departments under outside control.Harvard President Alan Garber, in a letter on Monday, rejected such demands as unprecedented "assertions of power, unmoored from the law" that violated constitutional free speech and the Civil Rights Act.Columbia had earlier agreed to negotiations after the Trump administration said last month it had terminated grants and contracts worth $400 million, mostly for medical and other scientific research. After reading the Harvard president's letter, Columbia's interim President Claire Shipman, said her university would continue "good faith discussions" with the administration, but "would reject any agreement in which the government dictates what we teach, research, or who we hire.

IMF Sees US-China Trade Grievances, Welcomes India Tariff Cuts

Washington. International Monetary Fund Managing Director Kristalina Georgieva said on Thursday that the U.S. and China both have trade grievances, but the world's two largest economies needed to reduce uncertainty and agree on a fairer, rules-based trading system.Georgieva, speaking at an event in Washington ahead of next week's IMF and World Bank spring meetings, also welcomed India's decision to reduce trade barriers and said that tariffs elsewhere could also drop amid negotiations over President Donald Trump's tariffs.Georgieva refrained from directly criticizing Trump's tariff assault on its trading partners, noting that an increase in tariffs and non-tariff trade barriers were feeding negative perceptions of the multilatersl system.

"This feeling of unfairness in some places fits the narrative, 'we play by the rules while others game the

system without penalty,'" Georgieva said. "Trade imbalances steer trade tensions."She said that the U.S. had grievances around China's intellectual property practices and non-tariff barriers, while China is seeking U.S. engagement that would put both economies on a solid footing."We would like to see a reduction in uncertainty, and it is hard to get there if the two largest economies are still finding their footing and when, obviously, from the perspective of the world economy, it is important that the result of all this is a more, fairer, rule-based system," Georgieva said.

The IMF chief said that India was uneasy with reducing tariffs and trade barriers, but "India is now doing it." She added that this would be helpful for the country's growth prospects.She said it was possible that tariffs and other trade barriers also could come down in the European Union as well and could encourage more bilateral and plurilateral trade agreements.

"Well, in injecting this moment, yes, it is bilateral discussions, but I expect this to lead to some action around reducing, eliminating barriers that could have broader benefit for the world," Georgieva said.

Deadly US Strikes Hit Yemen Port Used By Houthis, 20 Killed, 50 Injured

Sanaa, Yemen. The US military said it had destroyed a key Yemeni fuel port as it targets the country's Houthi rebels, who said Friday that 20 people had been killed in the strikes. The attack on the Ras Issa fuel port aimed to cut off a source of supplies and funds for the Iran-backed Houthis, the US military said. Washington has hammered the Houthis with near-daily air strikes since March 15 in a bid to end their attacks on civilian shipping and military vessels in the Red Sea and the Gulf of Aden. The rebels began their attacks in late 2023, claiming solidarity with Palestinians in Gaza.

"US forces took action to eliminate this source of fuel for the Iran-backed Huthi terrorists and deprive them of illegal revenue that has funded Huthi efforts to terrorise the entire region for over 10 years," the US Central Command (CENTCOM) said in a statement."The objective of these strikes was to degrade the economic source of power of the Huthis, who continue to exploit and bring great pain upon their fellow countrymen," CENTCOM said.Read: Stop Attacks On US Ships Or Face "Real Pain":

Trump Warns Houthis, IranShips "have continued to supply fuel via the port of Ras Issa" despite Washington designating the rebels a foreign terrorist organisation earlier this year, the military command added, without specifying the source of the fuel.Houthi health ministry spokesman Anees Alasbahi said the preliminary death count stood at 20, including five paramedics. There were also "50 wounded workers and employees at the Ras Issa oil port, following the American aggression", he said on X.

"The death toll is likely to rise as body parts are still being identified," he added.

Fireball

In images broadcast early Friday by the rebels' Al-Masira channel, which it presented as the "first images of the US aggression" against the port, a fireball lit up the area around the ships, while thick columns of smoke rose above what appeared to be an ongoing blaze."Civil defence rescue teams and paramedics are making every effort to search for and extract victims and extinguish the fire," said Alasbahi.The port lies along the west coast of Yemen on Red Sea.Houthi attacks have hampered shipping through the Suez Canal -- a vital route that normally carries about 12 percent of world shipping traffic -- forcing many companies into a costly detour around the tip of southern Africa.

US Unveils New Port Fees For Chinese-Linked Ships

- The United States unveiled new port fees on Chinese ships, to boost the domestic shipbuilding industry and curb China's dominance in the sector.

Washington. The United States unveiled new port fees on Chinese built and operated ships Thursday, in a bid to boost the domestic shipbuilding industry and curb China's dominance in the sector.The move -- which stems from a probe launched under the prior administration -- comes as the United States and China are locked in a major trade war over President Donald Trump's tariffs and could further rachet up tensions."Ships and shipping are vital to American economic security and the free flow of commerce," US Trade Representative Jamieson Greer said in a statement announcing the new fees, most of which will begin in mid-October.Under the new rule, per tonnage or per container fees will apply to each Chinese-linked ship's US voyage, and not at each port as some in the industry had worried.The fee will be assessed only up to five times per year, and can be waived if the owner places an order for a US built vessel.

Dominant after the Second World War, the US shipbuilding industry has gradually declined and now accounts for just 0.1 percent of global output.

The sector is now dominated by Asia, with China building nearly half of all ships launched, ahead of South Korea and Japan.

The three Asian countries account for more than 95 percent of civil shipbuilding, according to UN figures.

There will be separate fees for Chinese operated ships and Chinese built ships, and both will gradually increase over subsequent years.For Chinese built ships, the fee starts at $18 per NT or $120 per container -- meaning a ship with 15,000 containers could see a whopping fee of $1.8

million.US groups representing some thirty industries had voiced their concerns in March about the risks such fees could have on the prices of imported products.

One business surveyed by the groups expressed worry that proposed fees, alongside tariffs on China and other countries, as well as duties on steel and aluminum imports, would put "extraordinary pressure on US retailers."

All non-US built car carrier vessels will also be hit with a fee beginning in 180 days.

Washington is also introducing new fees for liquified natural gas (LNG) carriers, though those do not take effect for three years.A fact sheet accompanying the announcement said fees will not cover "Great Lakes or Caribbean shipping, shipping to and from US territories, or bulk commodity exports on ships that arrive in the United States empty."

In addition to the fees, Greer also announced proposed tariffs on some ship-to-shore cranes and on Chinese cargo handling equipment."The Trump administration's actions will begin to reverse Chinese dominance, address threats to the US supply chain, and send a demand signal for US-built ships," Greer said.

NEWS BOX

Hockey great Vandana Katariya thanks PM Modi for heartfelt letter on her retirement

New Delhi Indian women's hockey legend Vandana Katariya has thanked Prime Minister Narendra Modi after receiving a personal letter of appreciation following her retirement from international hockey.

Taking to social media, Vandana said it was a proud and emotional moment for her to be recognised by the Prime Minister, adding that his words of encouragement would continue to inspire her for years to come.

On Thursday, PM Modi praised Vandana Katariya for her outstanding career, saying her talent, hard work, and leadership helped take Indian women's hockey to new heights.

Vandana, India's most experienced women's hockey player, retired this month after a 15-year career. The 32-year-old striker scored 158 goals in 320 matches and played a key role in India's historic fourth-place finish at the Tokyo Olympics in 2021.

"As an exceptional player for the Indian women's hockey team, your career has been

filled with achievements. Congratulations on beginning a new chapter in life," PM Modi wrote in the letter, which Vandana shared on X (formerly Twitter)."You gave countless moments of pride to the nation and helped keep the Indian flag flying high on many nternational platforms," he added.Born in Roshnabad, Haridwar, Vandana Katariya's journey is one of strength and determination. Coming from a humble background-her father was a technician at BHEL-she overcame caste and gender bias, health problems, and struggles with depression to rise to the top in hockey."Coming from a humble background, your rise to becoming a respected name in international hockey is a story of hard work, commitment, and grit," PM Modi wrote.

IPL 2025: Rohit Sharma redemption is not far away. Here's why

New Delhi . When you saw Rohit Sharma bat against Sunrisers Hyderabad on Thursday, April 17, he didn't look like a player who was struggling throughout the campaign so far. In 6 matches, Rohit has scored just 82 runs at an average of 13.67 and a strike-rate of 143.85. However, on Thursday, the Rohit that we saw was his usual self.After a couple of deliveries to get a feel of the pitch, which troubled a few batters on the day. SRH's heavy artillery of Travis Head, Abhishek Sharma, Ishan Kishan, and Heinrich Klaasen were striking nowhere close to their usual standards as the track and the Mumbai bowlers kept them tied down on the day.Rohit got a few deliveries away with some solid defence before he

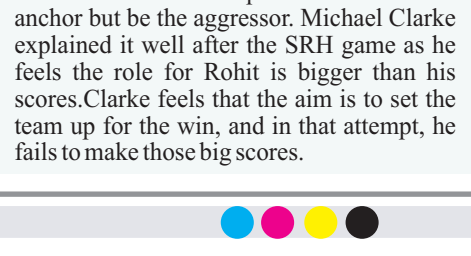

decided it was time to go for it. A lucky edge saw a ball from Shami go for a six. But there was no luck, but all class in the next maximum as he pulled off a signature shot to deposit the ball in the stands.The next one was off his arch-nemesis Pat Cummins and the Wankhede crowd started to believe that a Rohit special was on the cards. However, almost in anti-climactic fashion, the MI legend hit a ball sweetly but straight into the hands of Travis Head.

The touch is certainly there as Rohit has shown some signs of brilliance during his knock. And it seems like the one thing to get him to overdrive is a big score.Rohit's role in MI makes him ditch big numbersWhen it comes to Rohit, he is someone who always scores big hundreds, regardless of the format. But over the years, those daddy hundreds have dried up. This is because Rohit has given importance to the team and not to his own record.The same thing can be seen in the IPL as Rohit's role as the opener is not to be an anchor but be the aggressor. Michael Clarke explained it well after the SRH game as he feels the role for Rohit is bigger than his scores.Clarke feels that the aim is to set the team up for the win, and in that attempt, he fails to make those big scores.

Europa League: Manchester United in semis after epic comeback vs Lyon, Spurs survive

- United survived Lyon's scare with chaotic extra-time resurgence
- Maguire sealed redemption arc with dramatic late winner
- Spurs edged past Frankfurt despite nervy spells and missed chances

New Delhi Premier League clubs continue to leave their mark on Europe as Manchester United and Tottenham Hotspur clinch dramatic Europa League semi-final berths.Manchester United ensured that their last remaining hope of silverware this season stayed alive—and in characteristically dramatic fashion—as they booked a spot in the Europa League semi-finals after winning a comeback-laden battle against Olympique Lyon 7-6 on aggregate on April 18. Meanwhile, Tottenham Hotspur carved out a narrow 2-1 aggregate win over Eintracht Frankfurt, extending the Premier League's dominance in Europe.In what was a thriller of a contest, the clash between United and Lyon featured not one, but two comebacks—each side exchanging control in a game that constantly twisted and turned. Ruben Amorim's side displayed immense attacking grit, but their defensive lapses proved costly, almost capitulating even against a 10-man Lyon.Lyon had already started celebrating what looked like a fairytale comeback after being 2-0 down, then 3-2 up in extra-time. However, United pulled off one of their signature fightbacks to snatch the win with a final flurry, sealing the tie 5-4 on the night and 7-6 on aggregate.

United win the battle of comebacks

Most fans would feel blessed to witness just one dramatic turnaround in a high-stakes European clash—but United vs Lyon delivered two. The Red Devils began with clear attacking intent, rewarded early as Manuel Ugarte opened the scoring in the 10th minute after a delightful pass from Noussair Mazraoui. Amorim's men stayed on the front foot and doubled the lead before the break, with right-back Diogo Dalot slotting in a long ball from Harry Maguire.While the game seemed to be heading calmly to a close, Lyon had other ideas. Corentin Tolisso pulled one back in the 71st minute, and just seven minutes later, capitalising on a defensive meltdown involving United's backline and keeper Andr Onana, Nicolas Tagliafico restored parity at Old Trafford.Extra-time brought another twist as Ryan Cherki, Lyon's wonderboy, put the visitors ahead for the first time. But what followed was pure chaos and brilliance. United surged back with a vengeance—Bruno Fernandes converted a penalty, Kobbie Mainoo finished off a crisp move with class, and Harry Maguire, the unlikely redemption hero, scored the winner in dramatic fashion. United's thrilling 5-4 win on the night sends them into a semi-final date with Athletic Club.

Spurs edge through thanks to Solanke

Tottenham took the more conservative route but got the job done. A 43rd-minute penalty from Dominic Solanke gave them a slender 1-0 win on the night and a 2-1 victory on aggregate over Eintracht Frankfurt. Despite their elimination, Frankfurt were arguably the more threatening side. But missed opportunities—most notably by Rasmus Kristensen—came back to haunt the 2022 Europa League champions, who couldn't break through the Spurs defence.

How Will Jacks prepared to keep dangerous Travishek quiet All rounder reveals

New Delhi . Mumbai Indians' (MI) all rounder Will Jacks revealed how he managed to keep the dangerous opening duo of Travis Head and Abhishek Sharma quiet during the game against Sunrisers Hyderabad (SRH) on Thursday, April 17. Jacks came on to bowl right after the powerplay and managed to keep both batters quiet as he registered figures of 2/14 in three overs.The off spinner gave away just seven runs in his first over and later dismissed Ishan Kishan (2 off 3) and Travis Head (28 off 29) in the next two overs to help MI tighten the grip over the game. Following his remarkable bowling performance against the two aggressive openers, Jacks revealed that he had planned to keep the ball outside of their arc by bowling wide."Yeah, we spoke about using the whole wicket. Both the batsmen like

using the feet and hitting straight down the ground, so I was always prepared to to use the wide line. It doesn't matter if I bowl the odd wide, happy to try and restrict them in that way, and just bowl good lengths. I knew there was going to be a bit of spin assistance," said Jacks in the post-match press conference.Furthermore, he mentioned how knew that they would come hard at him being the sixth bowler and hence used the wicket to his advantage to get them out."So as long as I wasn't floating the ball up there and bowling aggressively, and bowling hard spin, using the wicket, that's what I was trying to do, looking to get them out. Obviously off spinner against two left-handers and always looking to to take wickets and be aggressive. They're always going to come after me as well, obviously being the 6th bowler. So I knew it was, it was game on and thankfully I came out on the right side today," he added.Following his brilliant bowling spell, Jacks also top scored for MI, scoring 36 (26) and helped his team chase down the target of 163 in 18.1 overs. As a result, he was deservedly adjudged Player of the Match in his team's win. Jacks will be eager to continue his good form as Mumbai take on arch-rivals Chennai Super Kings (CSK) on Sunday, April 20.

IPL 2025: Is this the beginning of Andre Russell's glorious run for KKR

New Delhi . Venky Mysore and Andre Russell share a bond that goes far beyond the Indian Premier League (IPL). Russell is a Knight Rider through and through, having turned out not just for Kolkata Knight Riders in the IPL, but also for Abu Dhabi Knight Riders in the ILT20, Trinbago Knight Riders in the CPL, and Los Angeles Knight Riders in the MLC. The Knight Riders franchise has shown unwavering faith in him-and rightly so. With 9,042 runs and 471 wickets to his name, Russell stands tall as one of the greatest T20 cricketers the game has ever seen.Back in 2020, Russell expressed his desire to wear the KKR jersey until retirement. Venky Mysore, CEO of the Knight Riders, reassured him that he would remain a part of the Knight Riders setup-not just in the IPL, but beyond. Over

more than a decade, Russell has rewarded that trust, prompting KKR to retain him year after year.Andre Russell struggles

For a batter who has maintained a strike rate of around 170 over a 14-year career, Andre Russell's 2025 IPL form has been a shadow of his former self. His strike rate this season sits at a modest 109.67, and an average of just 6.80 only adds to the gloom. On Tuesday, when the Knight Riders took on the Punjab Kings at the Maharaja Yadavindra Singh International Cricket Stadium in Mullanpur, Russell had both the time and the opportunity to turn things around.It was a chance to rescue KKR from the ignominy of conceding the record for the lowest total ever defended in IPL history. And for a moment, it looked like he just might. A couple of clean sixes, including a 16-run over off Yuzvendra Chahal in the 14th, had fans hoping for one of Russell's trademark rescue acts. But fate had other ideas.

Pat Cummins surprised by tricky Wankhede surface after loss vs Mumbai Indians

- Mumbai Indians beat Sunrisers Hyderabad by four wickets
- SRH scored 162/5 in their allotted 20 overs batting first
- MI chased down the target in 18.1 overs as Will Jacks top scored

New Delhi . Sunrisers Hyderabad (SRH) captain Pat Cummins revealed that he was left surprised by the tricky surface at the Wankhede Stadium following his team's four-wicket loss against Mumbai Indians (MI). After being put in to bat first, SRH could only score 162/5 in their allotted 20 overs as MI bowlers came well prepared to counter their hard-hitting batting line up.

In reply, MI chased down the target in 18.1 overs with Will Jacks top scoring, playing an innings of 36 (26). Mumbai used the slowness of the surface to good effect as their bowlers varied their pace remarkably to catch SRH batting off guard. Following their loss, Cummins shared his thoughts about the surface and revealed that they

expected it to be fast and fluent like a usual Wankhede surface."It wasn't the easiest wicket. Few runs short, we would have liked a couple more with the bat. Tricky wicket, when you come here you expect it to be really fluent and fast, just wasn't that. They bowled really well, shut down a lot of our hitting areas. I thought we had all our bases covered, with 160 you feel like you are a little bit short. We gave it a good crack with the ball," said Cummins in the post-match presentation.

Furthermore, the SRH skipper mentioned his team's struggles away from home and stated that they need to start winning away if they are to make it to the final."We thought we needed wickets, we had plenty of death bowling, we knew the impact player would bowl 1-2 overs that's why we went with Rahul. You have got to play well away from home to make the final, unfortunately it hasn't clicked so far this season, we have a short break and we go again. Every game we talk about assessing, the boys did well to get through the powerplay and there wasn't reckless hitting, next game is at home and we know that venue pretty well," he added.

Varun Chakravarthy reacts to MI vs SRH no-ball controversy: Should be dead ball

- Keeper's positioning error sparked unusual no-ball in MI vs SRH clash
- Chakravarthy slamed rule for unfairly penalising innocent bowlers
- Klaasen's glove slip costed SRH momentum and Cummins' stunner

New Delhi . Kolkata Knight Riders' spinner Varun Chakravarthy has added fuel to the growing debate surrounding a controversial no-ball decision during the IPL 2025 clash between Mumbai Indians and Sunrisers Hyderabad on April 17. His remarks have sparked a fresh line of thought among both fans and former cricketers.The drama unfolded at the Wankhede Stadium on Thursday when MI's Ryan Rickelton was ruled not out under unusual circumstances—not because of an error by the bowler, but due to a technical violation by the wicketkeeper.While chasing a modest target of 163, Rickelton—then batting on 21 off 18—was initially adjudged out in the seventh over, courtesy of spinner Zeeshan Ansari. However, the third umpire intervened, overturning the decision and recalling Rickelton from the boundary ropes. The reason? SRH wicketkeeper Heinrich Klaasen was found to have his gloves marginally ahead of the stumps when the delivery was made, triggering a rare no-ball call based on a technicality.The moment not only nullified a crucial breakthrough for SRH but also overshadowed what had been a brilliant catch by skipper Pat Cummins. With MI still reeling from the dismissal of Rohit

Sharma, it could've been the turning point in a low-scoring game.

Chakravarthy, however, did not agree with the call. Expressing his views via a post on X, the KKR spinner felt the ruling was unnecessarily harsh on the bowler, especially in cases where the violation is minor and unintentional. According to him, the law penalises the bowler for a mistake not of his making, which in turn can shift the momentum unfairly."If the keeper's gloves come in front of the stumps, it should be a dead ball and a warning to the keeper so that he doesn't do that again !!! Not a no-ball and a free hit!! What did the bowler do???? Thinking out loud!! What do u all think???" Chakravarthy wrote on his post.

What does the law say?

As per Law 27.3 of the MCC code, a wicketkeeper is required to remain entirely behind the stumps at the striker's end until the ball either touches the bat or passes the stumps.If the keeper moves out of position too early—even by a fraction—it's deemed a breach of the law, and the umpire must declare the delivery a no-ball.

Although Rickelton was dismissed in the following over for 31 off 23 by Harshal Patel, the earlier moment continued to stir conversations. Many believe it cost SRH both a key wicket and valuable momentum in what was already a tight contest.

Nikita Dutta

Drops 'Little Drab, Little Fab' Video From Jewel Thief's Trailer Launch

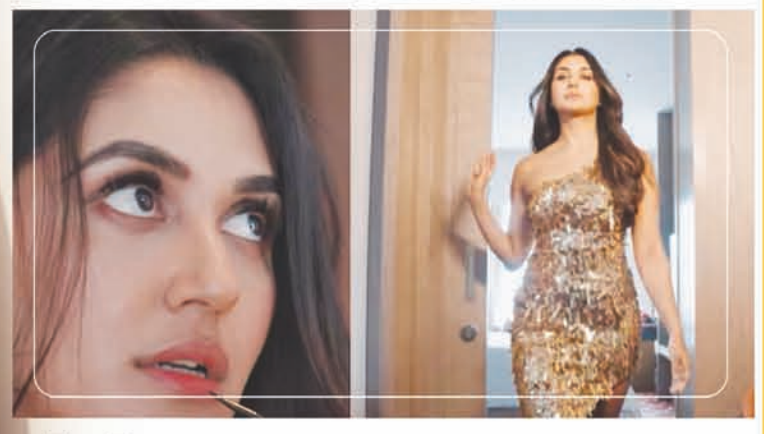

Nikita Dutta's latest Instagram entry is "Little drab, little fab" and we are absolutely loving it. Currently eying the release of her upcoming film Jewel Thief, the actress dropped a compiled video on Instagram. The clip captured glimpses from the film's trailer launch while also showcasing Nikita's preparations and makeup routine before the event. Excited for the trailer launch, the actress is seen in a cheerful mood, laughing, engaging and posing with her co-stars in the heartwarming moments.The video opens with Nikita sharing her delight as she says, "I am so excited, let's go." She, then, gets her makeup and hair done, set to make heads turn at the star-studded event in a sparkling golden dress, exuding elegance and sophistication. We can also see Jaideep Ahlawat and Kunal Kapoor lip-syncing to the song Jadoo from the film as Nikita records them. The camaraderie between the stars as they meet and greet each other, laughing and spending time before the trailer launch is evident in the video.

What follows next are some clips from the event wherein its stars engaged with the audience.Jewel Thief stars Saif Ali Khan, Jaideep Ahlawat and Kunal Kapoor besides Nikita Dutta in lead roles. The heist drama is directed by Kookie Gulati and Robbie Grewal. At the trailer launch of the film, Nikita Dutta shared her happiness to play the 'typical Bollywood heroine' with this film. She said, "I've been part of Sid Anand's world, which I feel is a huge thing because I mean, I feel as an actor, especially as a female actress, I would say. I don't think I've lived the classic Bollywood heroine tag, which, thanks to you and Mamta, I have gotten this opportunity to play the classic Bollywood heroine. And I'm not saying just because you're going to see me dancing. It's just overall to get the heroine feeling. I think I've gotten that from this film. So that's my takeaway from being a part of Sid Anand's world with this film."Jewel Thief will start streaming on Netflix from April 25. It is produced by Siddharth Anand and Mamta Anand under their Marflix production.

Tamannaah Bhatia

To Star As Female Lead In Varun Dhawan, Arjun Kapoor's No Entry 2? Here's What We Know

No Entry 2, one of the most highly anticipated sequels, has been grabbing headlines for a very long time. Fans are super excited for the romantic comedy film and now there is a report coming in that Tamannaah Bhatia will be seen as the female lead in the film. Aditi Rao Hydari is also in talks, but there is no official confirmation till now. No Entry 2 will star Varun Dhawan, Diljit Dosanjh, and Arjun Kapoor in the lead roles.Peeping Moon has reported that Tamannaah has officially signed the project and is reportedly excited to explore the comedy genre. She will be seen in a role similar in essence to Bipasha Basu's character from the original. This also marks her second major signing in quick succession, following her role in Ranger opposite Ajay Devgn, which she began shooting for just last week. The portal also mentioned that makers are in discussion with Aditi Rao Hydari for key female lead.

In February, Anees Bazmee shared a new series of photos from Greece as he began preparation for the madness. Taking to his Instagram handle, Anees Bazmee shared photos that feature Boney Kapoor. "Plotting new adventures in Greece with the producer Boney Kapoor ji and DOP Manu Anand ji! Prepping for the madness that's #NoEntry2.'In an exclusive interview with News18 Showsha, Boney Kapoor has revealed why he could not retain the original cast for No Entry 2, including his brother Anil Kapoor. The film producer was asked for an update on No Entry 2 when he revealed that the shooting will begin in June 2025. He also expressed confidence in the film and stated that it would be better than the original movie."It (shooting) will begin soon, probably sooner than expected. We've decided on the release date also, it would be October 26, 2025 – Diwali release. The shooting will probably start in June or July. Hopefully, we catch up with the target because again will have a lot of

post-production," he told us.

"It is a film which has a lot of potential. In fact, people who've heard the subject of No Entry 2 feel that it is better than the earlier No Entry. It has all those elements. Unfortunately, we cannot repeat the same star cast. I waited long enough, but everybody had their own reasons and I respect those reasons. So, it has been freshly packaged now," Boney Kapoor told us.Meanwhile, it was reported that Anil Kapoor is upset with his elder brother and producer Boney Kapoor over No Entry sequel casting.

Samantha Ruth Prabhu Said She Doesn't Like Hrithik Roshan's Looks, Ranked Him Below Naga Chaitanya: 'Seven On Ten'

Hrithik Roshan is among the most handsome actors in the Indian film industry, as per many. Due to his stellar good looks and chiselled physique, he is also called the 'Greek God' of Bollywood. While many fans swoon over his charm, Samantha Ruth Prabhu is unimpressed, as per an old interview, which is going viral on Reddit now.In an old conversation with Sakshi TV, Samantha Ruth Prabhu was asked to rate the looks of Indian actors. For Mahesh Babu, she said, "Rate? Mahesh Babu? 10 on 10! I don't even have to think." For Hrithik Roshan, however, Samantha said, "Hrithik, you know, everybody will kill me, but I don't like Hrithik's looks too much. Okay, like seven on 10."

While Samantha gave Naga Chaitanya a rating of 10 on 10, for Ranbir Kapoor, she said, "Ranbir Kapoor? Eight on 10." Samantha commented on Shahid Kapoor and said, "Shahid Kapoor, before Kaminey four on 10; after Kaminey nine on 10."

Meanwhile, on the work front, Samantha Ruth Prabhu and Varun Dhawan's Amazon Prime show, Citadel: Honey Bunny, will not be renewed for a second season. The second season of the Indian spin-off of Priyanka Chopra and Richard Madden's show has been cancelled. The storyline from the show will merge with Priyanka and Richard's show in the second season. Samantha is currently shooting for Rakht Brahmand: The Bloody Kingdom.

As for Hrithik Roshan, he is currently shooting for the much-anticipated War 2 with Jr NTR and Kiara Advani. The film is directed by Ayan Mukerji and is expected to be released on August 14 this year. Hrithik Roshan will then focus on Krrish 4 as the headliner and debut director.

Yuzvendra Chahal Gets Giant Red Rose Bouquet From RJ Mahvash, Deletes Photo After Being Trolled?

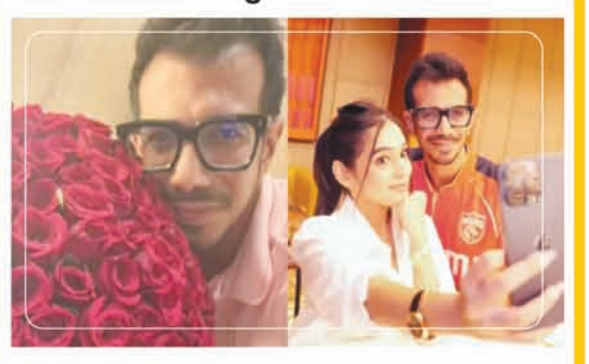

Yuzvendra Chahal has caught everyone's attention again, thanks to the giant bouquet of roses he posted on his Instagram. No sooner did the cricketer post the Story than his followers questioned if it was sent by RJ Mahvash, his rumoured girlfriend. Amid this speculation, Chahal has now deleted the Instagram Story.Yuzvendra Chahal took to Instagram Stories recently to share a selfie he had taken with a huge bouquet of red roses. Fans left comments under the photo and asked if it was sent by RJ Mahvash. Several Reddit users even claimed that Chahal had secretly tagged Mahvash in the Story. However, we couldn't verify the authenticity of these claims.

As the Reddit post went viral, more people flocked to Chahal's Instagram and noticed the photo. Angry netizens even trolled Chahal in the comments section of the Reddit post. As the rumour mill continued to churn, Chahal deleted the Story altogether. While Chahal didn't reveal the sender's name or why he deleted the photo, the timing suggests he received the flowers for his stellar performance in the PBKS IPL match against KKR earlier this week.Yuzvendra Chahal's performance in Mohali drew praise from many quarters, but it was RJ Mahvash's post-match tribute that caught fans' attention. Taking to Instagram Stories, Mahvash shared a recent selfie with Chahal and wrote, "What a talented man. Highest wicket-taker for a reason. Asambhav!"

Speculation surrounding Yuzvendra Chahal's personal life has grown louder in recent months, particularly since his divorce from choreographer Dhanashree Verma. RJ Mahvash, a popular radio personality and content creator, has been frequently spotted at IPL matches cheering for Chahal and his team.

Talks of a possible relationship between the cricketer and Mahvash first started making waves in December 2024, when Mahvash posted a group photo from a Christmas party that included Chahal. Soon after, he was seen with a mystery woman, later identified by fans as Mahvash. More recently, the two were photographed together at the Champions' Trophy match in Dubai, adding more fuel to the dating buzz.Despite the mounting rumours, both Chahal and Mahvash have chosen to remain silent, neither confirming nor denying their relationship. Still, their frequent appearances together and supportive social media activity have kept fans intrigued.